Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-230 ● रायपुर, मंगलवार 19 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद शुक्ल पक्ष
पक्ष- चतुर्थी

3

बांधों में बढ़ रहा जल का स्तर महीने के अंत तक पुरा हो जाएगा कोटा

5

जल जीवन मिशन ने बदली भोथीडीह की तस्वीर,घरों से लेकर आंगनबाड़ी एवं स्कूलों तक पहुंचने लगी रनिग वाटर..

7

सरोना परीक्षित विश्वकर्मा समाज द्वारा भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई गई

सुविचार

कभी भी किसी को भला बुरा कहने से पहले यह अवश्य सोच ले कि यदि वही शब्द कोई आपसे कहे तो आपको कैसा प्रतीत होगा।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंकाई एनडीसी प्रतिनिधि मंडल ने मुंबई का दौरा किया गया

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अध्ययन पैकेज के हिस्से के रूप में, नेशनल डिफेंस कॉलेज, श्रीलंका के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 15 से 17 सितंबर 23 तक मुंबई का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रिगेडियर विलेरा अराचिगे सागर रंजन विजेडासा, वरिष्ठ निदेशक स्टाफ, नेशनल डिफेंस कॉलेज, श्रीलंका ने किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमान के मुख्य कर्मचारी अधिकारी संचालन रियर एडमिरल कुणाल राजकुमार से बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल को पश्चिमी नौसेना कमान की परिचालन क्षमता और जिम्मेदारियों और भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग में हालिया प्रगति का अवलोकन दिया गया।प्रतिनिधिमंडल ने नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई का दौरा किया जहां उन्होंने रियर एडमिरल डीके गोस्वामी, एडमिरल अधीक्षक, मुंबई के साथ बातचीत की और उन्हें यार्ड के रखरखाव, मरम्मत और रीफिट क्षमता का अवलोकन दिया गया।

बांदीपोरा में सैनिक से दुर्घटनावश चली गोली, साथी की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में रविवार को आकस्मिक गोलीबारी की घटना में एक सैनिक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। हथियार के दुर्घटनावश छूट जाने से एक सैनिक की मौत हो गई और एक सैन्यकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने कहा, आरोपी सैन्यकर्मी को हिरासत में ले लिया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मामला 14 राष्ट्रीय राइफल्स के कैंप की है। यहां लोडेड बंदूकों के साथ कई जवान तैनात थे। रविवार को कैंप में एक जवान की राइफल गलती से जमीन पर गिर गई। इसके बाद फायरिंग हुई और दो जवानों को गोली लग गई। साथियों ने दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां एक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे का इलाज चल रहा है।

टायर फटने से पिकअप खाई में गिरी, चार की मौत

जालौन। ग्वालियर से लोहे की चादर खरीदकर लौट रहे व्यापारियों की पिकअप का टायर फट गया। इससे बेकाबू पिकअप खाई में जाकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक समेत दो घायल हो गए। हादसे का शिकार लोग लोहे का बक्सा बनाने का कार्य एक ही दुकान में करते थे। नगर के मोहल्ला तोपखाना निवासी नाजिम (45) की कोंच चौराहे के पास बक्सा बनाने की दुकान हैं। वह बक्से बनाने में प्रयोग होने वाली लोहे की चादर खरीदने के लिए पिकअप से ग्वालियर गए थे। उनके साथ उनका पुत्र निहाल (19), दुकान में काम करने वाले शाहगंज निवासी मोहम्मद अली (22), झांसी जिले के मोंठ निवासी अबूबकर (25), सहाव निवासी इरशाद (28) और पिकअप चालक मोहल्ला तोपखाना निवासी राजू (35) भी थे। ग्वालियर से चादर खरीदकर शुक्रवार की शाम को लौट रहे थे।

पीएम मोदी ने की पुराने संसद भवन में आखिरी स्पीच

नेहरू की जय-जयकार के साथ कहा पुराने संसद को अलविदा

- पीएम मोदी ने संविधान सभा से शुरू हुई 75 साल की संसदीय यात्रा पर की चर्चा
- पुराने संसद भवन को विदाई देते हुए पीएम मोदी ने 52 मिनट की आखिरी स्पीच दी

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार द्वारा बुलाए गए संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र का आगाज 18 सितंबर (आज) पुराने संसद भवन में हुआ। इसमें पीएम मोदी के संबोधन के साथ 75 सालों के संसद के सफर पर भी चर्चा की गई। पुराने संसद भवन के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने तमाम यादों को ताजा किया। बता दें कि संसद की आगे कार्यवाही 19 सितंबर (मंगलवार) से नई पार्लियामेंट बिल्डिंग में होगी। पुराने संसद भवन को विदाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 52 मिनट की आखिरी स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों को याद किया। पीएम मोदी ने सभी प्रधानमंत्रियों का बखान करते पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी सहित अन्य नेताओं का जिक्र किया। इसके साथ ही लोकसभा में संविधान सभा से शुरू हुई 75 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा

करते हुए पीएम ने लोकसभा को मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 'वोट के बदले नकद' घोटाला भी याद दिलाया। साथ ही उन्होंने पुरानी संसद में ''उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख विषय पर चर्चा करते हुए कई बातें रखी है। पीएम मोदी ने वाजपेयी सरकार के पलों को याद करते हुए कहा कि जब वाजपेयी के समय में उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ के तीन नए राज्य बनाए गए थे तो हर जगह जश्न का मौहाल था, लेकिन साथ ही इस बात पर उन्होंने अफसोस भी जताया कि आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना बनाए जाने से दोनों राज्यों में केवल कड़वाहट और खून-खराबा हुआ। पुरानी संसद को विदाई देते वक्त पीएम मोदी भावुक हो गए। उन्होंने अपनी स्पीच के दौरान कहा, ''इस इमारत को विदाई देना बहुत भावुक क्षण है। जैसे ही हम इस इमारत को छोड़ेंगे, हमारा मन कई भावनाओं और यादों से भर जाएगा। अपने 52 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त की बहादुरी को याद किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश साम्राज्य को नींद से जगाने के लिए भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने संसद में बम फेंके थे। उस बम की गूंज आज भी उन लोगों की रातों की नींद हराम कर देती है, जो इस देश का भला नहीं चाहते हैं।

इस संसद के जीवंत साक्षी रहे कई पत्रकार : पीएम

संसद के विशेष सत्र में पीएम मोदी ने लोकसभा से देश को संबोधित किया। पुराने संसद से पीएम मोदी का ये आखिरी भाषण भी था। पीएम मोदी ने लोकसभा में देश को संबोधित करते हुए पुराने संसद के इतिहास में घटी महत्वपूर्ण घटनओं को याद किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में उन पत्रकारों को भी याद किया, जिन्होंने संसद कवर कई सालों तक संसद कवर किया। पीएम मोदी ने कहा,देश में ऐसे पत्रकार जिन्होंने संसद को कवर किया, शायद उनके नाम जाने नहीं जाते होंगे लेकिन उनको कोई भूल नहीं सकता है। सिर्फखबरों के लिए ही नहीं, भारत की इस विकास यात्रा को संसद भवन से समझने के लिए उन्होंने अपनी शक्ति खपा दी। पीएम मोदी ने आगे कहा,आज जब हम इस सदन को छोड़ रहे हैं, तब मैं उन पत्रकार मित्रों को भी याद करना चाहता हूं।

बीजेपी के साथ कोई गठबंधन नहीं

चुनाव के दौरान तय होगा मामला- अन्नाद्रमुक नेता

चेन्नई। अन्नाद्रमुक और बीजेपी के बीच तनाव इतना बढ़ गया है कि सोमवार (18 सितंबर) को खुलकर सामने आ गया। द्रविड़ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बीजेपी के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता डी जयकुमार कहा कि बीजेपी के साथ कोई गठबंधन नहीं है और चुनावी समझौते पर कोई भी फैसला केवल चुनाव के दौरान लिया जाएगा। अन्नाद्रमुक नेता डी जयकुमार ने द्रविड़ दिग्गज नेता रहे सीएन अन्नादुरई की आलोचना के लिए तमिलनाडु के बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक पार्टी के

कार्यकर्ता दिवंगत मुख्यमंत्री का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।डी जयकुमार ने कहा कि के अन्नामलाई ने दिवंगत सीएम जे जयललिता सहित अन्नाद्रमुक नेताओं के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। अन्नाद्रमुक ने मांग की थी कि बीजेपी अपने नेता पर लगाम लगाए।

भिलाई हत्याकांड पर सीएम भूपेश बोले

बीजेपी घटना को साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही...इसके अलावा उन्हें कुछ भी नहीं आता.....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के भिलाई हत्याकांड मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती घटना को साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। युवक फिल्म देखने गए थे और उसी समय विवाद के बाद हत्या हुई है, जो दुर्भाग्यजनक है। सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। सीएम ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास अब कोई मुद्दा नहीं है। इसके अलावा बीजेपी को कुछ आता भी नहीं है। दरअसल मर्डर के विरोध में सोमवार को दुर्ग-भिलाई शहर बंद रहा। बीजेपी के नेता भी शहर बंद के समर्थन में दिखे। रविवार को मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों के साथ बीजेपी नेताओं ने भी विरोध प्रदर्शन किया। भूपेश सरकार से 50 लाख मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग की गई। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा था कि देश की आजादी में जिस समाज ने सबसे आगे आकर त्याग दिया, वो समाज आज न्याय के मांगने के लिए खड़ा है। मुख्यमंत्री को शर्म आनी चाहिए। वो पीड़ित परिवार को न्याय देने की जगह प्रियंका गांधी के स्वागत की तैयारी में लगे हुए हैं। खुर्सीपार निवासी गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलवंत सिंह का बेटा मलकीत सिंह 15 सितंबर की रात फिल्म देखकर अपने दोस्त फंटू के साथ बाइक से लौट रहा था।

जब ड्डञ्जड्ड मैदान के पास पहुंचा तो 5 से 6 युवकों ने उसे रोककर गाली-गलौज की। वि?रोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। जब फंटू ने उसे बचाने की कोशिश की, तो तालिबानी स्टाइल में उसके गले में चाकू अड़ाकर सड़क में बैठा दिया। हमले के बाद मलकीत की लीवर फटने और ब्लीडिंग अधिक होने से रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में उसने दम तोड़ दिया। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस की लिस्ट को लेकर हमारी प्रक्रिया चल रही है। सीईसी की बैठक हो गई है। अभी दो-तीन बैठकें और होंगी। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के बाद पहली लिस्ट आएगी। वहीं ष्टड्ढष्ट की बैठक में खड़गे की नाराजगी को लेकर कहा कि उन्हें भी मीडिया के माध्यम से पता चला है। वे कार्यक्रम से जल्दी लौट गए थे और ब्राह्मण समाज के सम्मेलन में बिलासपुर में थे।

टीवी समाचार चैनलों पर सुप्रीम कोर्ट ने की बड़ी टिप्पणी

नए गाइडलाइंस के लिए एनबीडीए को दिया गया 4 हफ्ते का समय....

नई दिल्ली। एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट टीवी समाचार चैनलों की निगरानी के स्व-नियामक तंत्र को 'सख्त' करना चाहती है। इसी को देखते हुए सोमवार को शीर्ष अदालत ने न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन को नए गाइडलाइंस लाने के लिए और चार हफ्ते का समय दे दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दलीलों पर सुनवाई की। एनबीडीए की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अरविंद दातार ने नए दिशानिर्देश

लाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। जनरल तुषार ने कोर्ट में कहा कि केंद्र सरकार ने इस मामले में पहले ही तीन स्तरीय तंत्र तैयार किया है, जिसमें से पहला सेल्फ रेगुलेशन है। न्यूज ब्रॉडकास्टर फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने कहा कि एनबीएफआई को भी अपने स्वयं के नियम दाखिल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा, 'हम चाहते हैं कि स्व-नियामक तंत्र को कड़ा किया जाए।' उन्होंने कहा कि सुझावों और दिशानिर्देशों का स्वागत है। बता दें कि एनबीडीए के विपरित एनबीएफआई 2022 नियमों के अनुसार केंद्र के साथ पंजीकृत एकमात्र नियामक संस्था है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने टीवी समाचार चैनलों की निगरानी के लिए मौजूदा स्व-नियामक तंत्र में गलती पाई थी।

सर्दियों में बढ़ सकता है कोविड का खतरा, नई वैक्सीन से अमेरिका कर रहा पूरी तैयारी

नई दिल्ली। दुनिया ने तीन साल की महामारी और इसके भारी असर के बाद सामान्य जीवन जीना शुरू ही किया था, कि एक बार फिर से कोविड-19 वेरिएंट का प्रकोप सामने आ गया। अमेरिका में कोविड मामलों में वृद्धि ने स्कूलों, कार्यस्थलों और सरकारी कार्यालयों को प्रभावित किया है। अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने इस सप्ताह सिफारिश की है कि इस साल सर्दियों में बीमारी के संभावित गंभीर परिणामों से बचाने के लिए 6 महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को अपडेटेड कोविड-19 वैक्सीन मिलनी चाहिए।

संसदीय यात्रा को किया याद

पीयूष गोयल ने भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त करने का किया आह्वान.....

नई दिल्ली/एजेंसी।

संसद का पांच दिवसीय विशेष सत्र सोमवार को शुरू हुआ। इस सत्र में संसद की 75 साल की यात्रा और नई इमारत में सदन की कार्यवाही पर चर्चा होगी। सत्र के दौरान आठ विधेयकों को भी विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। राज्यसभा और लोकसभा में 'संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा, उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख' पर चर्चा हो रही है। इस बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत को

भ्रष्टाचार से मुक्त करने का आह्वान किया और देश की 75 वर्षों की संसदीय यात्रा में विभिन्न नेताओं द्वारा किए गए योगदान को याद किया। उन्होंने सरकार को नियंत्रण में रखने में विपक्ष की भूमिका पर भी जोर दिया। संसद में चर्चा शुरू होने के साथ ही गोयल ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन, जाकिर हुसैन, शंकर दयाल शर्मा, कोचेरिल रमन नारायणन, भैरों सिंह शेखावत, मोहम्मद हामिद अंसारी, एम वेंकैया नायडू और धनखड़ सहित उच्च सदन के विभिन्न अध्यक्षों द्वारा संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में किए गए योगदान को याद किया। गोयल ने कहा कि जहां निर्वाचित सांसदों ने लोकतंत्र को मजबूत करने में बड़ा योगदान दिया है, वहीं मनोनीत राज्यसभा सदस्यों ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। केंद्रीय मंत्री ने संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को भी याद किया।

कांग्रेस के एक और एमएलए का विडीयो वायरल

काम दिलाने को लेकर बातचीत और नोट गिनते दिखा शख्स

रायपुर/ संवाददाता

नोटों के बंडल के साथ चंद्रपुर विधायक का वीडियो वायरल होने बाद कांग्रेस के एक और विधायक का स्टिंग वीडियो सामने आया है। जिसमें विधायक मोहित केरकेट्टा से एक शख्स काम दिलाने को लेकर बातचीत कर रहा है। साथ ही पैसे गिनते भी दिखा है।मोहित केरकेट्टा पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं। जिनका वीडियो पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने अपने ट्विटर अकाउंट में पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि अवैध वसूली करते अगर किसी भी नेता विधायक की कोई खबर सामने आए तो समझ जाइएगा कि नेता कांग्रेसी है।इससे पहले कल ही चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव का भी एक वीडियो सामने आया था। जिसमें वह नोटों के बंडल के साथ दिख रहे थे। हालांकि उन्होंने इस पर कहा कि, मैं तो पैसों की तरफदेख भी नहीं रहा। बीजेपी पहले भी मेरे खिलाफसाजिश कर चुकी है। कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव के वीडियो की तरह इसमें किसी कोई नोटों का बंडल तो दिखाई नहीं दे रहा है लेकिन लेन-देन जैसी बातें जरूर हो रही है। वायरल वीडियों में एक शख्स विधायक मोहितराम से काम नही मिलने के कारण एडवांस में दिये हुए पैसों को वापस मांगता सुना जा सकता है।वहीं इस पूरी बातचीत में विधायक मोहिरात केरकेट्टा डीएमएफमद से अपने विधासभा क्षेत्र से काम मांगने की बात कहते नजर आ रहे हैं। शख्स काम दिलाने के एवज में बार-बार किसी रेस्ट हाउस में पैसा देने की

बात कह रहा है, जिस पर विधायक इस बात से साफइंकार कर रहे हैं कि उन्होंने कोई पैसा नहीं लिया। विधायक मोहित राम केरकेट्टा ने इस बारे में हुई बातचीत में बताया कि साजिश के तहत ये वीडियो बनाया गया है और उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पहले वीडियो में वे गेस्ट हाउस में बैठे थे और उस दौरान काम दिलाने की चर्चा चल रही थी। जैसे आमतौर पर कई लोग विधायक के पास आकर काम दिलाने की मांग करते हैं। जबकि दूसरे वीडियो में शख्स से जबरन ये कहलवाया गया कि उसने कोई पैसा दिया है, जबकि मैंने उसी वीडियो में ही खंडन कर दिया कि मुझे उसने कोई पैसा नहीं दिया। इसके अलावा महिलाओं को रक्षाबंधन की मिठाई के लिए पैसे देने की बात केरकेट्टा ने की। मामले में पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने इसे पोस्ट करते हुए कहा है कि रिश्वतखोरी करते, घोटाला करते, अवैध वसूली करते अगर किसी भी नेता विधायक की कोई खबर सामने आए तो समझ जाइएगा कि नेता कांग्रेसी हैं। पाली-तानाखार विधायक मोहित राम केरकेट्टा की इस खबर ने ये भी तय कर दिया है कि इनकी इस रिश्वतखोरी हरकत से अब इन्हें टिकट जरूर मिलेगा। जनता भी सब देख रही है, जितनी रिश्वत मांगनी है मांग लो कांग्रेसियों, लेकिन चुनाव में वोट मांगोगे तो हार मिलेगी।

रामकुमार यादव का वीडियो हुआ था वायरल

इससे पहले चंद्रपुर विधानसभा के विधायक रामकुमार यादव एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वे नोटों के बंडल के साथ दिखाई रहे थे। रविवार को वीडियो सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ की सियासत में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। बीजेपी नेता ओपी चौधरी ने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री ओपी चौधरी ने सोशल मीडिया पर इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा था- कांग्रेस विधायक जी के सामने रखे नोटों की गड्डी वाले इस वीडियो को स्वीकार करेगी या वीडियो पर कोई संदेह है तो जाँच के लिये सीबीआई को सौंपने का साहस दिखायेगी? इस वीडियो में नजर आ रहे चंद्रपुर के विधायक रामकुमार यादव ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा था कि- जो वीडियो वायरल किया है।

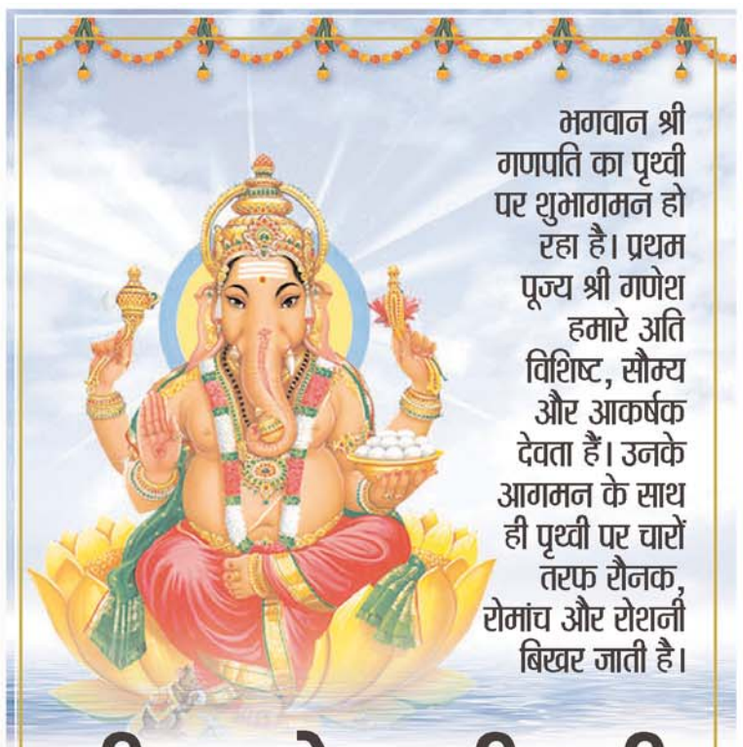

भगवान श्री गणपति का पृथ्वी पर शुभागमन हो रहा है। प्रथम पूज्य श्री गणेश हमारे अति विशिष्ट, सौम्य और आकर्षक देवता हैं। उनके आगमन के साथ ही पृथ्वी पर चारों तरफ रौनक, रोमांच और रोशनी बिखर जाती है।

श्री गणेशजी की कैसे करें स्थापना

शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से गणेश उत्सव का प्रारंभ हो जाएगा। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 31 अगस्त से 10 दिवसीय गणेश उत्सव शुरू हो रहा है। घर-घर मिट्टी के गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी और अनंत चतुर्दशी के दिन प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। आओ जानते हैं गणेशजी की मूर्ति की स्थापना कब और कैसे करे और जानिए मुहूर्त और पूजा विधि।

कैसे करें गणेश स्थापना

श्रीगणेशजी के आगमन के पूर्व घर को साफ सुथरा करके सजाया जाता है। इसके बाद गणेशजी की मूर्ति को स्थापित करने के पूर्व ईशान कोण को अच्छे से साफ करके कुमकुम से स्वस्तिक बनाएं और हल्दी से चार बिंदी बनाएं। फिर एक मुट्ठी अक्षत रखें और इस पर छोटा बाजोट, चौकी या लकड़ी का एक पाट रखें। पाट पर लाल, पीला या केसरिये रंग का सूती कपड़ा बिछाएं। चारों ओर फूल और आम के पत्तों से सजावट करें और पाट के सामने रंगोली बनाएं। तांबे के कलश में पानी भरकर उस पर नारियल रखें।

आसपास सुगंधित धूप, दीप, अगरबत्ती, आरती की थाली, आरती पुस्तक, प्रसाद आदि पहले से रख लें। अब परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होकर ऊँ गंगणपते नमः का उच्चारण करते हुए प्रतीमा को पाट पर विराजमान करें। अब विधिवत पूजा करके आरती करें और प्रसाद बांटें।

पूजन सामग्री

गणेश जी की प्रतिमा (मिट्टी, स्वर्ण, रजत, पीतल, पारद), हल्दी, कुमकुम, अक्षत (बिना टूटे हुए चावल), सुपारी, सिन्दूर, गुलाल, अष्टगंध, जनेऊ जोड़ा, वस्त्र, मौली, सुपारी, लौंग, इलायची, पान, दूर्वा, पंचमेवा, पंचामृत, गौदुग्ध, दही, शहद, गाय का घी, शकर, गुड़, मोदक, फल, नर्मदा जल/ गंगा जल, पुष्प, माला, कलश, सर्वोषधि, आम के पत्ते, केले के पत्ते, गुलाब जल, इत्र, धूप बत्ती, दीपक-बाती, सिक्का, श्रीफल (नारियल)।

पूजा विधि

गणेश चतुर्थी वाले दिन शुभ चौघड़िए के अनुसार पूजा करें। यहां सामान्य पूजा विधि बताई जा रही है।

- पूजन में शुद्धता व सात्विकता का विशेष महत्व है, इस दिन प्रातःकाल स्नान-ध्यान से निवृत हो गणेशजी का स्मरण करते हुए भक्त व्रत एवं उपवास का पालन करते हुए गणेशजी का भजन व पूजन करते हैं।
- नित्य कर्म से निवृत्त होने के बाद गणेशजी की मूर्ति या चित्र को लाल या पीला कपड़ा बिछाकर लकड़ी के पाट पर रखें। मूर्ति को स्नान कराएं और यदि चित्र है तो उसे अच्छे से साफ करें।
- पूजन में गणेशजी के सामने धूप, दीप अवश्य जलाना चाहिए। देवताओं के लिए जलाए गए दीपक को स्वयं कभी नहीं बुझाना चाहिए।
- फिर गणेशजी के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। फिर उनकी आरती उतारें। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी उंगली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी, मेहंदी) लगाना चाहिए।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में आरती करें। आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

गणपति जी को भोग लगाएं इन 5 तरह के लड्डुओं का

गणेश चतुर्थी के दिन गणेशोत्सव में भगवान गणेशजी की 10 दिन के लिए स्थापना करके उनकी पूजा अर्चना की जाती है। 10 दिनी उत्सव में गणपति जी को 10 दिन तक भिन्न-भिन्न प्रकार का भोग लगाया या प्रसाद चढ़ाया जाता है उनमें से लड्डू उनके सबसे प्रिय है। लड्डू से जुड़ी एक कथा भी है। आओ जानते हैं 5 खास तरह के लड्डुओं की जानकारी।

- मोदक के लड्डू : गणेशजी को मोदक के लड्डू बड़े प्रिय हैं। मोदक भी कई तरह के बनते हैं। महाराष्ट्र में खासतौर पर गणेश पूजा के अवसर पर घर-घर में तरह-तरह के मोदक बनाए जाते हैं।
- मोतीचूर के लड्डू : गणेशजी को मोदक के बाद नैवेद्य के रूप में मोतीचूर के लड्डू का भी भोग लगता है। इन्हें ही बूंदी के लड्डू भी कहते हैं। इसके अलावा उन्हें शुद्ध घी से बने बेसन के लड्डू भी पसंद हैं। तील और सूजी के लड्डू भी उनको अर्पित किए जाते हैं।
- उखड़ी के मोदक : इसमें चावल के आटे से मोदक बनाए जाते हैं जिसके अंदर नारियल और शक्कर के मिश्रण को भरा जाता है और फिर उसे उबालकर बनाया जाता है।
- बेसन के लड्डू : कहते हैं कि उन्हें शुद्ध घी से बने बेसन के लड्डू भी पसंद हैं। कई जगहों पर यह भी अर्पित किए जाते हैं।
- सूजी के लड्डू : इसे रवा के लड्डू भी कहते हैं। रवे में शक्कर का बूरा, इलायची पावडर व चारोली मिलाकर इसे शुद्ध देशी घी में बनाया जाता है।
- अन्य लड्डू : इसके अगलावा गुड़ और राजगिरे के लड्डू भी अर्पित किए होते हैं।

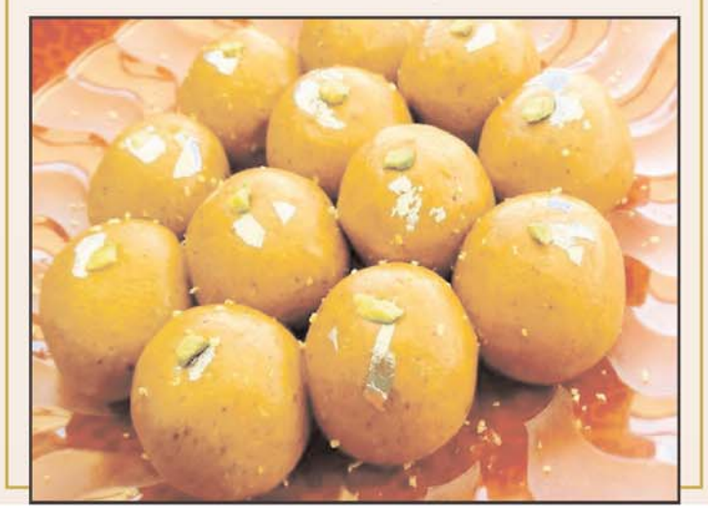

गणेश चतुर्थी पर कौन-सी मूर्ति लाकर करें घर में स्थापित

आजकल बाजार में गणेशजी की भिन्न भिन्न प्रकार की मूर्तियां उपलब्ध हैं। बहुत सी ऐसी प्रतिमाएं भी बाजार में हैं जो हिन्दू परंपरा के अनुसार सही नहीं मानी जाती है। यदि आप गणेश चतुर्थी के दिन गणेशजी की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो जान लें कि गणेश चतुर्थी पर गजानन गणपतिजी की कौनसी प्रतिमा स्थापित करना चाहिए।

- मिट्टी या बालू की मूर्ति : गणेशजी की मिट्टी या बालू की प्रतिमा स्थापित करना चाहिए, क्योंकि माता पार्वती ने उन्हें इसी से बनाया था।
- मूषक : गणपति की मूर्ति लाते समय यह जरूर ध्यान रखें कि उनके साथ भूषक जरूर हो।
- एकदंत : गणेशजी की ऐसी प्रतिमा हो जिसका एक दांत टूटा हुआ हो।
- चारभुजा : गणेश प्रतिमा के चार हाथ हो। चारों हाथों में वे क्रमशः पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वरमुद्रा धारण किए हुए हो।
- वस्त्र : गणेशजी रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीतवस्त्रधारी हैं। लाल या पीला वस्त्र शुभ होते हैं।
- बाईं सूंड हो : जिस मूर्ति में सूंड का अग्रभाग बाईं है उस मूर्ति को स्थापित करने का प्रचलन है।
- जनेऊ : प्रयास करें कि मूर्ति जनेऊधारी हो। यदि नहीं हो तो पूजा के समय मूर्ति को जनेऊ धारण करवाएं।
- बैठे हुई मूर्ति : गणेशजी की किसी आसन या सिंहासन पर बैठी हुई मूर्ति घर में लाएं।
- मूर्ति का रंग : मूर्ति का रंग सफेद, सुनहरी, सिंदूरी या हरा लेना शुभ है।
- सिर ढका : गणेशजी का सिर मुकुट, टोपी या पगड़ी आदि से परंपरा अनुसार ढका होना चाहिए।
- त्रिपुण्ड तिलक : गणेशजी के मस्तक पर केसर या चंदन का त्रिपुण्ड तिलक लगा होना चाहिए।

वास्तु दोष दूर करते हैं श्री गणेश

वक्रतुंड महाकाय
कोटिसूर्यसमप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है अतः वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश को पूजना बेहतर है। कई वास्तुदोषों का निवारण श्री गणेश की पूजा से ही हो जाता है। श्री गणेश की आराधना के बिना वास्तु देवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाइए। जानें ये खास बातें.

- सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।
- सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है।
- यदि घर के मुख्य द्वार पर श्री गणेश की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो, हो सके तो दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेशजी की प्रतिमा इस प्रकार लगाएं कि दोनों गणेश जी की पीठ मिलती रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा का चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है।
- भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो, उस स्थान पर घी मिश्रित सिन्दूर से स्वस्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।
- घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुंड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं, किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।
- भगवान मंगलमूर्ति को मोदक एवं मूषक अतिप्रिय है अतः घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए।
- घर में बैठे हुए गणेशजी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणेश जी का चित्र लगाना चाहिए। अगर लगा रहे हो तो इस बात का ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों, इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।
- भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है।
- गणेश जी का चित्र उस स्थान पर नहीं लगाना चाहिए, जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो।
- विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो, इस बात का ध्यान रखना चाहिए।
- दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेशजी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है।

इस तरह आप श्री गणेश पूजन द्वारा वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं। घर में बिना तोड़-फोड़ के ही आप वास्तु दोष से मुक्ति पा सकते हैं।

श्री गणेश माटी स्वरूप में समृद्धि लाते हैं घर में

भगवान श्रीगणेश की उपासना से विद्या, बुद्धि, विवेक, यश, सिद्धि सहजता से प्राप्त हो जाती हैं। भगवान श्रीगणेश प्रथम पूज्य देवता हैं। किसी भी कार्य को आरंभ करने से पहले श्रीगणेश का स्मरण करने से वह कार्य अवश्य पूर्ण होता है। श्रद्धा और आस्था के साथ श्री गणपति की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

माता पार्वती ने पुत्र प्राप्ति के लिए पुण्यक नामक उपवास किया था। इसी उपवास के प्रभाव से श्री गणेश पुत्र रूप में प्राप्त हुए। भगवान श्री गणेश के शरीर का रंग लाल एवं हरा है। लाल रंग शक्ति और हरा रंग समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसलिए जहां श्रीगणेश हैं वहां शक्ति और समृद्धि दोनों का वास है। भगवान श्रीगणेश को विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति, लंबोदर, वक्रतुंड आदि नामों से पुकारा जाता है। महाभारत में भगवान श्रीगणेश के स्वरूप और उपनिषद में उनकी शक्ति का वर्णन किया गया है। महर्षि व्यास की महाभारत भगवान श्रीगणेश ने ही लिखी। उन्होंने अपना एक दंत तोड़कर महाभारत की रचना की। इस कारण वह एकदंत कहलाए। भगवान श्रीगणेश के कानों में वैदिक ज्ञान, मस्तक में ब्रह्म लोक, आंखों में लक्ष्य, दाएं हाथ में वरदान, बाएं हाथ में अन्न, सूंड में धर्म, पेट में सुख-समृद्धि, नाभि में ब्रह्मांड और चरणों में सप्तलोक का वास माना जाता है।

भगवान श्रीगणेश की रिद्धि और सिद्धि नामक दो पत्नियां हैं। शुभ और लाभ उनके दो पुत्र हैं। बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरुप, शारीरिक संरचना में भी विशिष्ट व गहरा अर्थ निहित है। शिवमानस पूजा में श्री गणेश को प्रणव यानी ऊँ कहा गया है। इस एकाक्षर ब्रह्म में ऊपर वाला भाग गणेश का मस्तक, नीचे का भाग उद ,चंद्रबिंदु लड्डू और मात्रा सूंड है। इनकी चार भुजाएं चारों दिशाओं में सर्वव्यापता की प्रतीक हैं। उनकी छोटी पैनी आँखें सूक्ष्म -तीक्ष्ण दृष्टि की सूचक हैं। श्रीगणेश अपने सम्पूर्ण स्वरूप में हमारे घर में सुख ,रिद्धि-सिद्धि, शुभ-लाभ, धर्म, वरदान, यश, सुख, समृद्धि, वैभव, पराक्रम, सफलता, प्रगति, सौभाग्य, ऐश्वर्य, धन, सम्पदा और आरोग्य का आशीष लेकर आते हैं.

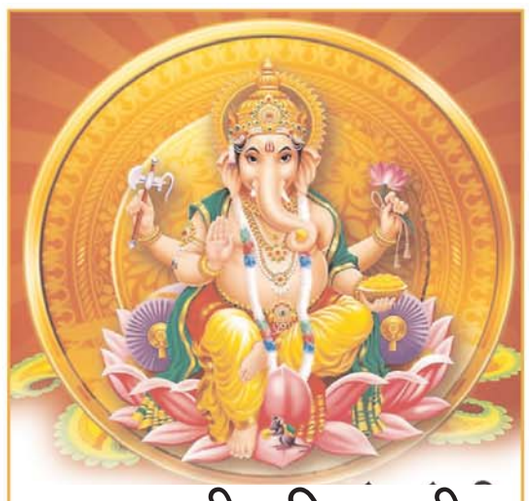

बप्पा की प्रतिमा की स्थापना का शुभ मुहूर्त

पं. संतोष नागर ने बताया कि इस वर्ष गणेशोत्सव की शुरूआत 19 सितंबर को होगी. इस दिन भाद्र पक्ष की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर प्रातः 10.50 से दोपहर 1.52 तक बप्पा की प्रतिमा की स्थापना का शुभ मुहूर्त है. इसके अलावा श्रद्धालु दोपहर 3.23 से 4.54 तक भी बप्पा की स्थापना कर सकते हैं. शाम को पूजन करने वालों के लिए 7.54 से 9.23 तक का शुभ मुहूर्त रहेगा.

मिट्टी से पार्थिव गणेश की स्थापना करें

पंडित संतोष नागर के अनुसार इस दिन पार्थिव गणेश प्रतिमा बनाकर उनकी स्थापना करना ज्यादा लाभकारी रहेगा. इसके लिए किसी पवित्र स्थल से ओउम गं गणपतये नमः का जाप करते हुए मिट्टी खनन करें और उसमें से कंकर-पत्थर निकालकर अच्छे से साफ करें.

उसी मिट्टी से पार्थिव गणेश की स्थापना करें. इस दिन पार्थिव गणेश की स्थापना करने से विशेष फल प्राप्त होता है. उन्होंने बताया कि इस दिन रात में चंद्रमा के दर्शन नहीं करना चाहिए.

गणेश द्वादश नाम स्तोत्रम से दूर होंगे सब विघ्न और बाधाएं

श्री गणेश द्वादश नाम स्तोत्रम में भगवान श्री गणेश के 12 नामों का वर्णन किया हैं। इन नामों का पाठ करने से मनुष्य के जीवन सबकुछ मंगल ही मंगल होने लगता है। खास तौर पर इसे बुधवार या गुरुवार के दिन अवश्य पढ़ना चाहिए।

श्री गणेशद्वादशनामस्तोत्रम

।। श्रीगणेशाय नमः ।।
।। शुक्लांम्बरधरं देवं शशिवर्णं चतुर्भुजम ।
प्रसन्नवदनं ध्यायेत्सर्वविघ्नोपशांतये ।।1।।
अभीप्सितार्थसिद्ध्यर्थं पूजेतो यः सुरासुरैः ।
सर्वविघ्नहरस्तस्मै गणाधिपतये नमः ।।2।।
गणानामधिपश्चण्डो गजवक्त्रस्त्रिलोचनः ।
प्रसन्न भव मे नित्यं वरदातर्विनायक ।।3।।
सुमुखश्चैकदन्तश्च कपिलो गजकर्णकः
लम्बोदरश्च विकटो विघ्ननाशो विनायकः।।4 ।।
धूम्रकेतुर्गणाध्यक्षो भालचंद्रो गजाननः।
द्वादशैतानि नामानि गणेशस्य यः पठेत ।।5।।
विद्यार्थी लभते विद्यां धनार्थी विपुलं धनम।
इष्टकामं तु कामार्थी धर्मार्थी मोक्षमक्षयम।।6।।
विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा
संग्रामे संकटेश्चैव विघ्नस्तस्य न जायते ।।7।।

गणेश चतुर्थी के दिन न करें ये 5 कार्य

भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से 10 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत हो जाती है। अनंत चतुर्दशी के दिन विसर्जन होता है। इस बार अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 31 अगस्त से गणेश उत्सव प्रारंभ होगें। आओ जानते हैं कि गणेश चतुर्थी के दिन कौनसे 5 कार्य नहीं करना चाहिए।

- चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। चतुर्थी खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अतः इसमें शुभ व मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। इससे व्रत का ही फल मिलता है। हालांकि यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है।
- इस दिन प्याज, लहसुन, शराब और मांस का सेवन नहीं करना चाहिए।
- भगवान गणेश के इस पवित्र दिन पर शारीरिक संबंध बनाना वर्जित माना जाता है।
- चतुर्थी के दिन किसी भी पशु और पक्षी को न तो सताना चाहिए और न ही मारना चाहिए।
- चतुर्थी के दिन झूठ बोलने से नौकरी और व्यापार में नुकसान होता है।

10 दिनों तक रोज पढ़ें श्रीगणेश क्षमा-प्रार्थना मंत्र

श्री गणेश स्थापना मंत्र

अस्य प्राण प्रतिषठन्तु अस्य प्राणाः क्षरंतु च।
श्री गणपते त्वम सुप्रतिष्ठ वरदे भवेताम।।

विघ्नहर्ता श्री गणेश की 10 दिनों तक पूजा एवं आरती के बाद परिक्रमा करें और क्षमा मांगें कि पूजा में कोई भी कमी या भूल हुई तो उसके लिए माफ करें।

श्री गणेश क्षमा-प्रार्थना मंत्र

गणेशपूजने कर्म यत न्यूनमधिकम कृतम।
तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्न अस्तु गणपति सदा मम।।

इस प्रकार आप अपने घर पर गणपति का विधि विधान से स्थापना करें और 10 दिन तक उनकी आराधना करें। इसके बाद विसर्जन के दिन विधि पूर्वक हर्षोल्लास के साथ गणपति को विदा करें।

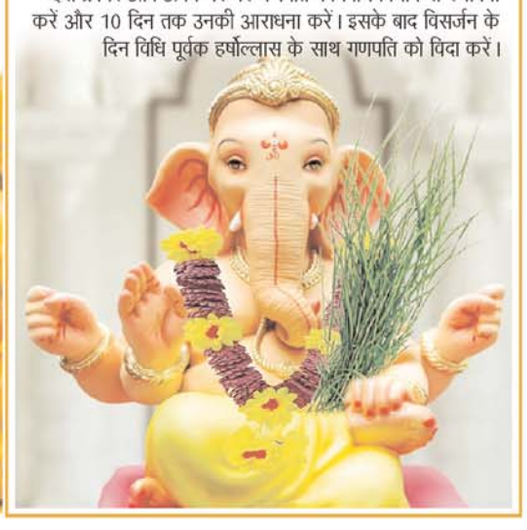

सार-समाचार

संगिनी महिला संगठन की सदस्यों ने घुमंतू पशुओं का गले में बाँधी रेडियम की पट्टी

चिरमिरी भारत भास्कर -क्षेत्र की सड़कें पिछले कुछ वर्षों से हादसों की सड़क बन गई हैं. वही सड़कें गौशाला में तब्दील हो गई है. सड़कों पर खड़े मवेशी लगातार हादसों का कारण बन रहे हैं. इन हादसों की वजह से कभी मवेशी की सड़क पर मौत हो रही है तो कभी मवेशी से टकराकर वाहन चालक असमय ही काल के गाल मे समा रहे हैं .इस गंभीर मुद्दे को लेकर क्षेत्र की सामाजिक संगिनी महिला संगठन की अर्चना मित्तल कविता महाराज नीतू जोशी सहित अन्य महिला सदस्यों द्वारा हादसे कम करने का पहल किया है7 इसके तहत महिलाओं द्वारा समय-समय पर गौवंशों के गले मे चमकदार रेडियम पट्टी लगाया जा रहा है. यह रेडियम बेल्ट (पट्टी) सड़क पर घूमने वाले पशुओं को रात के अंधेरे में दुर्घटना का शिकार होने से बचाने के लिए लगाया जाता है. जिसे सामने की ओर से आने वाले वाहन चालक आसानी से देख सकें और अपनी सहित गौवंश की भी रक्षा हो सके. महिलाओं ने बताया कि कि पशु मालिक अनुपयोगी होने पर अपने मवेशियों को सड़कों पर छोड़ देते हैं. रेडियम बेल्ट-रेडियम पट्टी अंधेरे में लाइट पड़ने पर दूर से चमकता है, पशुओं में इसे लगाने से वाहन चालक दूर से जानवरों को देख पाते है और अपने वाहन व जानवरों को बचा सकते है। इससे रात में होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। इस दौरान एकता मित्तल सुषमा श्रीवास्तव रीना वर्मा बेबी केसरवानी कल्पना जायसवाल किरण ओझा संगीता अग्रवाल सहित अन्य महिलाएं सक्रिय रही।

कोरबा में खुलेंगा नया कोल ब्लाक

कोरबा। जिले में कोयले का अकूत भंडार है। यही वजह है कि कोरबा व रायगढ़ जिले में 11 नए कोल खदान शुरू करने की तैयारी है। इन खदानों से 30 गांव सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। कोल मंत्रालय ने इन खदानों को अपनी 7वीं नीलामी सूची में शामिल किया है। कोयले की उपलब्धता आने वाले 40 साल तक सौ फीसदी बने रहे इसके लिए बीते दो साल से जंगलों में करीब पांच सौ जगहों पर अधिक गहराई तक बोरहोल्स कर कोयले की ग्रेडिंग की तस्दीक की गई थी। एमईसीएल की रिपोर्ट के अनुसार कोरबा व रायगढ़ जिले के इन खदानों में सबसे उन्नत ग्रेड का कोयला मौजूद है। जी.11, जी.12 ग्रेड का कोयला सबसे महंगा और कम कोल ब्लॉकों में पाया जाता है। जिस कोल ब्लॉक में बेहतर ग्रेड का कोयला होता है उसकी नीलामी के लिए कंपनियां सबसे अधिक रूचि लेती है। कोल ब्लॉक से कोरकोमा कोल ब्लॉक से कोरकोमा, मातामार, मुडुनारा, रजगामार, तरफमझली, बरपाली.करमीटिकरा ब्लॉक से बरपाली, कोईलार, नारकोलो, जिल्गा-बरपाली से करीब चार गांव, बासीन फतेहपुर से पांच गांव प्रभावित होंगे। इस तरह कुल 30 गांव खनन से सीधे तौर पर दायरे में आएंगे। हसदेव के बाद मांड नदी के किनारे कोयले का नया भंडार अभी कोरबा, कोरिया जिले में हसदेव नदी के किनारे एक दर्जन कोल ब्लॉक से खनन हो रहा है। हसदेव के बाद मांड नदी के दोनों ओर के 15 किमी के दायरे में कोयले के नए भंडार होंगे। विशेषकर कोरबा के तीन और रायगढ़ के चार कोल ब्लॉक मांड नदी से लगे हुए हैं।

चोरी गई दो बोलेरो को 48 घंटे के अंदर पुलिस ने किया बरामद

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र से पिछले 48 घंटे के अंदर चोरी गए दो बोलेरो वाहनों को दो चोरों को पकडक़र उनकी निशानदेही पर कटघोरा पुलिस ने संयुक्त टीम प्रयास से पकडने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए चोरों को रिमांड में कटघोरा कोर्ट पेश किया गया। जानकारी के अनुसार कटघोरा थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम लखनपुर के खुटरापारा से एक बोलेरो वाहन विगत 12 सितंबर को चोरी करके उसे मरवाही गौरेला पेंड्रा जिले के पेंड्रा रेलवे स्टेशन के पार्किंग में कुख्यात वाहन चोर सोनू उर्फसंदीप कंवर उम्र 23 पिता दयाराम कंवर निवासी ग्राम आंछीदादर थाना कटघोरा द्वारा खड़ा किया गया था। उक्त बोलेरो को आरोपी संदीप कंवर अपने साथी मनराज सिंह कंवर उम्र 20 पिता राठी सिंह कंवर निवासी ग्राम आंछीदादर थाना कटघोरा के साथ मिलकर लखनपुर से चोरी किया था। वहीं एक और बोलेरो भी इनके द्वारा चोरी कर गौरेला रोड जंगल में खड़ी कर दिया गया था। इन दोनों मामले में कटघोरा पुलिस ने अज्ञात वाहन चोरों के विरूद्ध प्रार्थी की रिपोर्टों पर धारा 379, 34 भादवि के तहत दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि इन दोनों मामलों में चोरी का रिपोर्ट दर्ज करने के बाद एसपी उदय किरण एवं एएसपी अभिषेक वर्मा तथा कटघोरा एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में कटघोरा थाना का कार्यवाहक प्रभारी का प्रभार संभाल रहे।

बांधों में बढ़ रहा जल का स्तर महीने के अंत तक पुरा हो जाएगा कोटा

भारत भास्कर रिपोर्टर/ बिलासपुर :- इस वर्ष बारिश का होना मानो आंख मिचौली की तरह रहा कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद अब बांधों की प्यास बुझने लगी है। पिछले दो दिन से अच्छी बारिश जिले के आसपास हो रही है, जिससे नदी, नालों के साथ ही बांधों में भी पानी बढ़ रहा है। बांधों में 80 से 85 फीसदी जलभराव की स्थिति सामने आ चुकी है, जलसंसाधन विभाग को उम्मीद है कि इस माह के अंत तक अच्छी बारिश होगी और बांधों में पर्याप्त पानी पहुंच सकता है। कोटा और रतनपुर के आसपास बारिश की अच्छी शुरूआत देखी गई है, जिसके चलते अरपा भैंसाझार से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज से पानी छोड़ने के कारण अरपा नदी और नहरों में भी पानी आ चुका है। इस साल पहली बार भैंसाझार परियोजना के अंतर्गत नहरों में पानी छोड़ा जा रहा है, जिला प्रशासन और किसानों की मांग पर जल संसाधन विभाग द्वारा नहर में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, 400धन मीटर प्रति सेंकेंट पानी छोड़ गया है, जिससे 12 हजार हेक्टयर में खेती के लिए पानी मुहय्या हो रही है

खूंटाघाट बांध- रतनपुर क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के भीतर 25 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं खूंटाघाट डेम में 292.76 मीटर जलस्तर की स्थिति हो चुकी है। वहीं डेम में 147.15 मिलियन घन मीटर पानी है, अधिकारियों के अनुसार 76.52 फीसदी पानी डेम में पहुंच गया है। वहीं 14 सिंतबर 2022 में 195 मिलियन घन मीटर पानी हो चुका था जिसके बाद बांध से वेस्ट वेयर चलने लगा, लेकिन अबतक इस बार वेस्ट वेयर के जरिए पानी नहीं बह सका है।

अरपा भैंसाझार बैराज- बैराज में 299.80 मीटर जलस्तर पहुंच चुका है। नहर में छोड़े जा रहे जल बहाव का दर 3.97 धन मीटर प्रति सेंकेंट है। बताया जा रहा है अरपा नदी और नहर दोनों में पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके चलते अरपा में भी तेज बहाव बह रहा है।

खुड़िया डेम- लोरमी के आसपास के गांवों में अच्छी बारिश हो रही है, जिसके चलते खुड़िया डेम का भी जलस्तर बढ़ चुका है। डेम की अधिकतम क्षमता 14.70 मिलियन घन मीटर है जबकि 14 सितंबर तक 12.59 मिलियन घन मीटर पानी जा पहुंचा है। यह कुल भराव का 81.65 फीसदी है। बताया जा रहा है कि पिछले साल की तुलना में इस साल डेम में कम जलभराव है लेकिन अधिकारियों को उम्मीद है कि जिस तरह से दो दिन में बारिश हो रही है उससे जल्द ही डेम में पानी बढ़ने लगेगा।

सितंबर में उम्मीद- पिछले कुछ दिनों से बारिश बंद थी, इसलिए बांध में पानी नहीं भर पाया है, सितंबर माह में बांध का कोटा पूरा हो जाता है, कई बार वेस्ट वेयर भी चलती है। सितंबर में उम्मीद है कि माह के अंत तक बांध का जलभराव पूरा हो जाएगा।

एसके सराफ ईई जलसंसाधन विभाग

विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने किया बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह का शुभारंभ

बैरिस्टर साहब के एकता, सरलता, भाईचारा और समानता जैसे गुणों को सभी को अपनाना चाहिए - डॉ चरणदास महंत

विधानसभा अध्यक्ष ने बैरिस्टर ठा. छेदीलाल की प्रतिमा में दीप प्रज्वलन कर विभिन्न विभागों के स्टॉल का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत के मुख्य आतिथ्य में संविधान निर्मात्री सभा के पूर्ण कालिक सदस्य एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की 67 वीं पुण्य स्मृति में दो दिवसीय स्मृति समारोह का शहीद स्मारक परिसर (कचहरी चौक) जांजगीर में आज शुभारंभ किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की प्रतिमा में दीप प्रज्वलन कर विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार, शहीद परिवार के परिजनों एवं बैरिस्टर ठा. छेदीलाल के परिवारजनों को सम्मानित किया गया। इसके साथ विभिन्न विधाओं में प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालें विद्यार्थियों, खिलाड़ियों को भी प्रशस्ति प्रत्र एवं मोमेन्टो एवं खेल सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने जो त्याग और बलिदान दिया है आज उसे समझने का दिन है। छत्तीसगढ़ शासन बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि को राज्य और देश के प्रति किये गए योगदान के लिए मनाती हैं। वे छत्तीसगढ़ की माटी में उपजे बहुमूल्य हीरा हैं। हम सब को उन्हें याद करना चाहिए उनके चरित्र को समझते हुए अपनाना चाहिए। छत्तीसगढ़ के लोगों में एकता, भाईचारा, सरलता, समानता और सहजता है इसी कारण हमारे छत्तीसगढ़ के लोगों को देश-विदेश में छत्तीसगढ़िया सब ले बढ़िया कहा जाता है। बैरिस्टर छेदीलाल सहित इस क्षेत्र के लोगों के इन गुणों को हमे हमेशा बनाये रखना है।

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की स्मृति समारोह में उनके द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में किए गए त्याग बलिदान को आने वाली पीढ़ियां तक पहुचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजन करते है ताकि आने वाली पीढ़ी हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के राष्ट्र नायको के संबंध में जान सके। बैरिस्टर ठा. छेदीलाल बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे उन्होंने विधि, शिक्षा, साहित्य, कृषि एवं छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति पर अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सभी वर्गों को जोड़कर स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाई। उन्होंने इस अवसर पर आए सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया।

बैरिस्टर अकादमी के अध्यक्ष श्री देवेश सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सभी वर्गों के लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में एक सूत्र में पिरोया था हमें उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर उनके सद्गुणों को अपनाना चाहिए। बैरिस्टर ठा.छेदीलाल की पुत्री डॉ रत्नावली सिंह ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्वतंत्रता आंदोलन में दिए योगदान को याद करते हुए नमन किया।

इस अवसर पर छ.ग. राज्य शाकम्भरी बोर्ड अध्यक्ष श्री रामकुमार पटेल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला श्री भगवानदास गढ़ेवाल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चांपा श्री जय थवाईत,उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ,सदस्य अनुसूचित जाति आयोग श्री रमेश पैगवार, सदस्य खाद्य आयोग श्रीमती ज्योति किशन कश्यप, सदस्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड श्री नारायण खण्डेलिया ,कृषि उपज मंडी नैला अध्यक्ष श्री ब्यास नारायण कश्यप, एस पी श्री विजय अग्रवाल ,श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, इंजी रवि पांडेय ,अध्यक्ष बैरिस्टर अकादमी श्री देवेश सिंह, डॉ परस शर्मा, श्री सतीश सिंह, श्री रफीक सिद्दीकी, श्री गुलजार सिंह, श्री विजय बहादुर सिंह , श्री रघुराज पांडेय अपर कलेक्टर श्री एस पी वैध सहित जनप्रतिनिधी गणमान्य नागरिक , एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छात्र जोड़ो संवाद अभियान के तहत् एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष ने किया छात्रावासों का दौरा

छात्रों के साथ बैठकर किया भोजन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर - भटगांव विधानसभा के लोकप्रिय विधायक पारसनाथ राजवाड़े के निर्देशानुसार एवं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष चंद्रकांत चौधरी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे छात्र जोड़ो संवाद अभियान के अंतर्गत ब्लॉक अध्यक्ष विभव सिंह गुर्जर ने ओड़गी ब्लॉक मुख्यालय में स्थित पोस्ट मैट्रिक एवं प्रीमेट्रिक बालक छात्रावास का दौरा किया इस दौरान श्री गुर्जर ने छात्रों से चर्चा किया एवं छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा छात्रों के हित में चलाए जाने वाले योजनाओं के बारे में बताया छात्रों से चर्चा में पता चला कि उनके छात्रावास अधीक्षक जेल सिंह द्वारा उनको बहुत बेहतर तरीके से रखा गया है एक अधीक्षक होने के बावजूद भी वह दोनों छात्रावासों को बहुत अच्छे से संचालित कर रहे हैं बच्चों पर किसी भी प्रकार का दबाव नही है छात्रावास कैम्पस में साफसफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है भोजन भी मीनू चाट के अनुसार प्राप्त होता है बच्चों को जो खाने का मन होता है वही भोजन उनसे पुछकर बनवाया जाता किसी भी छात्र का तबियत खराब होता है तो अधीक्षक रात में ही हॉस्पिटल लेकर जाते हैं सुबह तक का इंतजार नही करते बच्चों ने बताया कि हम यहां इतने अच्छे से रहते हैं कि हमको हमारे घर का भी याद नही आता। इस बात के जांच में श्री गुर्जर ने एवं अन्य सभी एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने छात्रों के साथ पगति में बैठकर भोजन भी किया स्वादिष्ट भोजन का सभी ने जमके तारीफ किया अधीक्षक का कार्य सराहनीय है।इस मौके पर एनएसयूआई उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह (बंटी) कार्यकर्ता रितेश राजवाड़े, संत राजवाड़े, संजू सिंह, मनीष राजवाड़े, अंकित सिंह, हेमंत सिंह, अजय सोनहा एवं अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा परिवर्तन यात्रा की तैयारी को लेकर बैठक

एम सी बी-चिरमिरी--भारत भास्कर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने संकल्प के साथ निकलने वाली परिवर्तन यात्रा 20 सफल बनाने के उदेश्य से बैठक जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी के नेतृत्व मे, जिला कार्यालय अटल कुंज में आहूत की गई

परिवर्तन यात्रा ग्राम दुबछोला मे स्वागत सभा का आयोजन होगा जंहा कार्यकर्ताओ के द्वारा भव्य स्वागत किया जायेगा , इसके पश्चात भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ द्वारा परिवर्तन यात्रा के साथ - साथ बाइक रैली चिरमिरी के डोमनहिल फुटबाल मैदान आम सभा स्थल पहुंचेगी जंहा आम सभा आयोजित् होगी। वंही परिवर्तन यात्रा भरतपुर ङ्क सोनहत विधान सभा के नागपुर स्थित हनुमान मंदिर मैदान पहुंचेगी जंहा आम सभा का आयोजन पश्चात यात्रा मनेन्द्रगढ़ के लिए प्रस्थान करेगी तथा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ के द्वारा मनेन्द्रगढ़ के चैनपुर से परिवर्तन यात्रा के साथ बाइक रैली के द्वारा मनेन्द्रगढ़ स्थित पंडित दीनदयाल तिराहा मे पहुँच स्वागत सभा आयोजन् पश्चात यात्रा मरवाही के लिए प्रस्थान करेगी इस तरह जिला मे परिवर्तन यात्रा की 2 आमसभा एवं 2 स्वागत सभा का आयोजन होना है जिसको लेकर परिवर्तन यात्रा जिस- जिस मंडल से होकर गुजरेगी वंहा पर तैयारी की जा रही है बैठक में पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल, श्रीमती चम्पादेवी पावले, जिला पंचायत अध्यक्षा रेणुका सिंह,मनेन्द्रगढ़ विधान सभा विस्तारक सुरेंद्र गुप्ता, जिला महामंत्री वीरेंद्र सिंह राणा, रामलखन सिंह, मुकेश जायसवाल, अभय जायसवाल ,दृगपाल सिंह, संजय सिंग,सरजू यादव, परमानंद यादव ,विनोद गुप्ता, आलोक जायसवाल, धनेश यादव, उजीत नरायण सिंह, अंकुर जैन, सुशील सिंग, अंकित शर्मा, आशीष मजूमदार, सुश्री कोमल पटेल, श्रीमती प्रवीन सिंग, श्रीमती मुनमुन जैन, संतोष गुप्ता, मृत्युंजय मुखर्जी, अजय विश्वकर्मा, प्रदीप वर्मा, अखिलेश मिश्रा, विवेक अग्रवाल, चन्दन राणा, संजय गुप्ता, राहुल जायसवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे.

निर्जला व्रत रखकर महिलाओं ने की पति के दीर्घायु जीवन की कामना

चिरमिरी भारत भास्कर पति की लंबी आयु एवं स्वस्थ जीवन की कामना के साथ सोमवार को विवाहिताओं की ओर से हरितालिका व्रत (तीज) किया गया। हरितालिका व्रत को विधि विधान के साथ मनाने की परंपरा रही है। इस पर्व को सुहागिन महिलाएं अपने पति के सुख, सौभाग्य रक्षा एवं मनोरथ सिद्धि के लिए करती हैं। सुहागिन महिलाएं सोमवार को उपवास रखकर हरितालिका तीज की कथा का श्रवण की। पर्व को ले स्थानीय बाजार में भी चहल पहल देखने को मिली। व्रत धारी महिलाओं ने बताया कि यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है. हरतालिका तीज व्रत में भगवान शंकर और माता पार्वती से जुड़ी कथा का विशेष महत्व होता है। कहा जाता है कि बिना व्रत कथा के यह व्रत अधूरा माना जाता है.।

9 माह में चाकू तलवार लेकर गुंडागर्दी करने वाले 149 बदमाशों पर कार्यवाही गए जेल

भारत भास्कर रिपोर्टर/ बिलासपुर :- विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही सरगर्मी पुलिस प्रशासन अलर्ट कर रही सख्त कार्यवाही कुछ महीनो से चाकूबाजी की वारदात को देखते हुए पुलिस चाकू, तलवार, गुप्ती रखकर दहशतगर्दी मचाने वालों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। विगत 9 माह में पुलिस ने अवैध हथियार लेकर दहशतगर्दी करने वाले 149 बदमाशों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा है । उसके बाद भी बदमाश चाकू चलाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

एसपी संतोष कुमार सिंह ने बढ़ती चाकूबाजी की वारदात पर अंकुश लगाने अवैध हथियार रखकर चलने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करने का आदेश दिया है। एडीशनल एसपी राजेन्द्र कुमार हमला किया जा रहा है।

जायसवाल के निर्देशन पर थानेदार अवैध हथियार रखकर चलने वालों पर सतत नजर रखकर कार्रवाई करने में लगे हुए हैं। प्रतिदिन थानेदारों के द्वारा चाकू, तलवार, गुप्ती रखकर दहशतगर्दी मचाने वाले बदमाशों पर कार्रवाई कर की जा रही है। पुलिस विभाग से मिले आंकड़े के अनुसार, वर्ष 2023 जनवरी से सितंबर अब तक 146 बदमाशों को चाकू, तलवार, गुप्ती के साथ पकड़कर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के सख्ती के बाद भी बदमाश बेखौफ होकर चाकू लेकर चल रहे और छोटी छोटी बात में लोगों पर चाकू से जानलेवा हमला किया जा रहा है।

दो बार हुई आनलाइन चाकू की जब्ती- पूर्व में पुलिस ने दो बार आनलाइन चाकू मंगाने वाले लोगों के रिकार्ड लेकर सैकड़ों की संख्या में चाकू बरामद किया था। बड़ी संख्या में कार्रवाई होने के बाद भी बदमाश आनलाइन चाकू मंगाकर अंशाति फैलाते हुए वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

आर्म्स एक्ट में हुई कार्रवाई की आंकड़ा-

थाना	-	अपराध
सिविल लाइन	-	22
तारबाहार	-	09
चकरभाठा	-	02
कोतवाली	-	12
तोरवा	-	11
सरकंडा	-	32
कोनी	-	00
सिरगिट्टी	-	20
हिर्री	-	00
मस्तूरी	-	01
पचपेड़ी	-	02
सकरी	-	01
सीपत	-	02
बिल्हा	-	01
कोटा	-	07
रतनपुर	-	04
तखतपुर	-	02

सख्ती से हो रही कार्रवाई

अवैध हथियार रखकर हंगामा व दहशतगर्दी मचाने वालों पर लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। बीते 9 माह में 149 बदमाशों को चाकू, तलवार, गुप्ती के साथ पकड़कर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया है। अवैध हथियार रखकर चलने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

राजेन्द्र कुमार जायसवाल
एडीशनल एसपी सिटी

गणेश हैं विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता

गणेश चतुर्थी- 19 सितम्बर 2023 पर विशेष

स्वदेश तिवारी, स्थानीय संपादक

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता सात्विक देवता हैं और उन्नत राष्ट्र-निर्माता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफगणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया। इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुईं। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया।

गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। गणेश को हिन्दू संस्कृति में आदिदेव भी माना गया है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। गणेशजी को शुद्ध घी, गुड और गेहूँ के लड्डू- मोदक बहुत प्रिय हैं। ये प्रसन्नता अथवा मुदित चित्त के प्रतीक हैं। ये तीनों चीजें सात्विक एवं स्निग्ध हैं अर्थात उत्तम आहार हैं। सात्विक आहार बुद्धि में स्थिरता लाता है। उनका उदर बहुत लम्बा है।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से 'क्षेम' और ऋद्धि से 'लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी

रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है। गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर 'श्री गणेशाय नमः' लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं। प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है। विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोड्स संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते। गणपति गणेश अथवा विनायक सभी शब्दों का अर्थ है देवताओं का स्वामी अथवा अग्रणी। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है। क्योंकि गणेश अर्थात् शिव पुत्र अर्थात शिवत्व प्राप्त करना होगा अन्यथा क्षेम एवं लाभ की कामना सफल नहीं होगी। गजानन गणेश की व्याख्या करें तो ज्ञात होगा कि 'गज' दो व्यंजनों से बना है। 'ज' जन्म अथवा उद्गम का प्रतीक है तो 'ग' प्रतीक है गति और गंतव्य का। अर्थात् गज शब्द उत्पत्ति और अंत का संकेत देता है-जहाँ से आये हो वहीं जाओगे। जो जन्म है वही मृत्यु भी है। ब्रह्म और जगत के यथार्थ को बनाने वाला ही गजानन गणेश है।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है।

संपादकीय

करीब आए भारत और सऊदी

सऊदी अरब ने गुजरे आठ महीनों में अमेरिका में अपना निवेश 41 प्रतिशत घटाया है। तो अब उसके सामने सवाल यह है कि अपना पैसा कहां लगाए। भारत में 100 बिलियन डॉलर निवेश करने के उसके एलान को इसी संदर्भ में देखा जाएगा। सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद-बिन-सलमान की भारत यात्रा से यह साफ हुआ है कि आर्थिक संबंध के क्षेत्र में विभिन्न देशों की बदलती प्राथमिकताओं के बीच भारत को अपने देश के लिए वे एक महत्त्वपूर्ण स्थल मान रहे हैं। सऊदी अरब उन देशों में है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार बड़े मुनाफे की स्थिति में रहते हैं। जाहिर है, इसका कारण सऊदी अरब की तेल संपदा है। प्रिंस सलमान की खूबी यह है कि हाथ में सत्ता आने के बाद से उन्होंने दूरदर्शी नजरिया अपना रखा है। वे जानते हैं कि जीवाश्म ऊर्जा की बदौलत उनका देश हमेशा समृद्ध नहीं बना रहेगा। इसलिए वे निवेश के विभिन्न क्षेत्रों को तलाश रहे हैं। उनकी भारत यात्रा भी इसी तलाश का हिस्सा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में सलमान कहा कि पांच साल के अंदर पश्चिम एशिया 'अगला यूरोप' हो जाएगा। जाहिर है, इसमें आधुनिक तकनीक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस लिहाज से भारत के तकनीक-कर्मी सऊदी अरब के लिए बड़े फायदे का पहलू हो सकते हैं। इसके अलावा इस समय दुनिया में ट्रेंड अमेरिका के बॉन्ड और ट्रेजरी बिल से पैसा निकालने का है। सऊदी अरब ने गुजरे आठ महीनों में अमेरिका में अपना निवेश 41 प्रतिशत घटाया है। तो अब उसके सामने सवाल यह है कि अपना पैसा कहां लगाए। चीन उसका एक मुकाम है। साथ ही वह दूसरे स्थलों की तलाश में है। भारत में 100 बिलियन डॉलर निवेश करने के उसके एलान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। असल में कितना निवेश आएगा, यह भारत की अपनी परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इन 100 में 50 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा सऊदी अरब ने 2019 में की थी। यह महाराष्ट्र में रिफाइनरी बनाने में होनी है। मगर चार साल से बात सिर्फ इरादो तक है। सऊदी अरब से भारत का सालाना कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 29.28 बिलियन डॉलर का था। इसमें 22.65 डॉलर का भारत ने आयात किया था। यानी सऊदी अरब को भारी मुनाफा है। ऐसे में अगर वह निवेश करता है, तो यह भारत के फायदे में होगा। अब यह भारत पर है कि वह कितना फायदा उठा पाता है।

अजीब सम्राट के सफल देश की भूकंप त्रासदी

श्रुति व्यास

मोरक्को को भूकंप ने दहला दिया है। उसके अल होज़ प्रांत में 3,000 लोग मारे गए वही पहाड़ी इलाकों में बसे कई गांव पूरी तरह नष्ट हो गए। सबसे बुरी बात यह है कि देश के लोग अंतर्राष्ट्रीय मीडिया से कह रहे हैं कि उन्की कोई चिंता करने वाला नहीं है। भूकंप की रात देश के सम्राट मोहम्मद षष्ठम पेरिस में थे, जहां उनका ज्यादातर वक्त बीतता है। उन्हें स्वदेश लौटने और सार्वजनिक वक्तव्य जारी करने में पूरा एक दिन लग गया। शनिवार की देर शाम उन्हें टीवी पर एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिखाया गया, लेकिन बिना आवाज के, अर्थात वीडियो म्यूटेड था।

मंगलवार को वे एक अस्पताल गए और उन्होंने रक्तदान किया। वे मारूकेश भी गए जो भूकंप-पीड़ित क्षेत्र के नज़दीक स्थित बड़ा शहर है। लेकिन उन्हे भूकंप से सर्वाधिक प्रभावित अल होज़ प्रांत जाने के बारे में कुछ नहीं बताया गया। मोरक्को के अधिकारियों का कहना है कि वे संकट का सामना करने में जुटे हुए हैं और जरूरत पड़ने पर मदद की गुहार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सम्राट का मार्गदर्शन उन्हें शुरू से ही मिल रहा है। लेकिन विनाश की पीड़ा झेल रहे इलाके में उनकी गैर-मौजूदगी, पीड़ितों के साथ उनके खड़े नहीं होने, और जनता को अपने साथ का विश्वास न दिलाने के लिए उनकी आलोचना हो रही है। इस आलोचना में आक्रोश भी है और पीड़ा भी। सम्राट मोहम्मद षष्ठम, जो हाल में 60 बरस के हुए, मोरक्को के सबसे धनी और सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। सैद्धांतिक तौर पर भले ही मोरक्को संवैधानिक राजतंत्र हो किंतु हकीकत यह है कि हर मामले में मोहम्मद षष्ठम का निर्णय ही अंतिम होता है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार वे देश की सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख हैं, और इस्लामिक धर्मावलंबियों के मुखिया भी, हालांकि यह मुद्दा विवादित है। उनके कई सलाहकार और मंत्री हैं जो उनके स्कूल के दिनों के मित्र हैं, लेकिन किसी भी कार्यवाही के लिए उनका अनुमोदन आवश्यक होता है। भूकंप के बाद अधिकारी कोई कदम नहीं उठा पा रहे हैं क्योंकि वे कुछ भी करने से पहले सम्राट की आज्ञा की का इंतजार कर रहे हैं। मध्यपूर्व के नेताओं में से मोहम्मद सार्वजनिक रूप से और मीडिया में सबसे कम नज़र आते हैं। सन् 1999 में सम्राट बनने के बाद से उन्होंने न तो कोई पत्रकार वार्ता की है और ना ही कोई टीवी इंटरव्यू दिया है। वे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी नहीं जाते। राजा बनने की वर्षगांठ के अवसर पर जनता को संबोधित करते समय वे बोलने में लड़खड़ा जाते हैं। अपने पिता हसन द्वितीय, जो तानाशाह थे और जिनके विभिन्न भिन्न पृष्ठभूमियों के कई सलाहकार थे, के विपरीत मोहम्मद षष्ठम अपनी ही दुनिया में रहते हैं। उनके दरबारियों के मुताबिक सत्ता में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है और वे राजा बने रहना नहीं चाहते। मगर दौलत से हासिल होने वाले ऐशोआराम का भरपूर आनंद उठाने में उन्हें कोई संकोच नहीं होता। लेकिन एक अयोग्य आयर अक्षम राजा के बावजूद मोरोक्को को उत्तर अफ्रीका का एक सफल राष्ट्र माना जाता है, जहां तुलनात्मक रूप से अधिक खुलापन और स्थिरता है और जो उद्योग एवं पर्यटकों को आकर्षित करता है। वह आतंकरोधी कार्यवाहियों के मामले में अमेरिका एवं पश्चिमी देशों का एक भरोसेमंद सहयोगी रहा है और उसने सन् 2020 में इजराइल को मान्यता दे दी है। सन् 1999 में वारिस के तौर राजगद्दी हासिल करने के करीब एक साल बाद टाईम पत्रिका को दिए गए एक दुर्लभ साक्षात्कार में, जो पत्रिका के उस अंक में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ, उन्होंने स्वयं को ऐसा सुधारक बताया जो 'गरीबी, कष्ट और अशिक्षा को कम करना चाहता है' लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि मैं जो भी करूंगा वह मोरोक्को के लिए नाकाफी होगा।उनके शासन के शुरूआती दौर में धार्मिक दृष्टि से रूढ़िवादी मोरोक्को में बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव हुए। उन्होंने कई राजनैतिक बंदियों को रिहा किया, पारिवारिक कानूनों में बदलाव किया, विवाह की न्यूनतम आयु 15 वर्ष से बढ़ाकर 18 वर्ष की, लैंगिक समानता की स्थिति बेहतर की, महिलाओं को तलाक मांगने का हक दिया और पहली पत्नि को यह अधिकार दिया कि वह पति को दूसरा विवाह करने से रोक सके। उन्होंने तलाक को एक कानूनी प्रक्रिया का दर्जा दिया। एक साधारण चिठ्ठी के माध्यम से पति द्वारा पत्नि को तलाक दिए जाने की परंपरा को समाप्त किया। और अरब स्प्रिंग के दौरान, जहां पड़ोसी देशों में राष्ट्रपतियों को पद छोड़ना पड़ा, उन्होंने स्थिरता और निरंतरता कायम रखते हुए कई सुधार लागू किए। सन् 2003 में हुए बम हमलों के बाद उन्होंने और उनकी सरकार ने इस्लामिक कट्टरपंथी राजनीतिज्ञों और आतंकवादियों के विरूद्ध कड़े कदम उठाए। लेकिन हाल के दिनों में राजा 'विचलित' हो गए हैं और उन तक पहुंचना कठिन हो गया है। सन् 2018 में अपने तलाक की प्रक्रिया के दौरान उनका संपर्क जर्मनी में जन्में जर्मन-मोरक्कन मिश्रित नस्ल के मार्शल आर्ट्स फाइटर अबूबकर अबू एज़ेटार और उनके दो भाईयों से हुआ। उसके बाद से वे उनके प्रभाव से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। एज़ेटार बंधुओं को राजा की इतनी निकटता हासिल है कि न केवल उनकी सीधी पहुंच सारी राजसी दौलत और सुख-सुविधाओं तक है बल्कि वे राजा और उनके सलाहकारों के बीच खाई भी पैदा कर रहे हैं। सभी राजमहलों से जुड़े कुछ राज होते हैं जो रहस्य के घेरे में होते हैं।

लैंगिक दृष्टि से संवेदनशील स्थायी परिवर्तन को प्रोत्साहन

संगीता रेड्डी

जी20 एम्पॉवर वैश्विक स्तर की एक ऐसी पहल है, जो शिक्षा और आर्थिक भागीदारी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु जी20 देशों की सरकारी संस्थाओं और निजी संगठनों को एक मंच पर लाती है। महिला सशक्तिकरण की कहानी में एक महत्वपूर्ण मोड़ उस समय आया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने %महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' की अवधारणा पेश की। भारत के लिए खास यह अभिनव दृष्टिकोण अब जी20 एम्पॉवर के साझा शब्दकोष का हिस्सा बन गया है। इस दृष्टिकोण ने अपना ध्यान महिलाओं को मात्र सशक्त बनाने से हटाकर ऐसे माहौल को बढ़ावा देने पर केन्द्रित किया है, जहां महिलाएं केवल लाभार्थी हों भर न हों बल्कि विकास की अगुआ भी हों। जी20 एम्पॉवर की भारत की अध्यक्षता के तहत, हमने इस अवधारणा को पूरे दिल से अपनाया है और कथानक में इस परिवर्तन को दर्शाते हुए एक रोडमैप बनाने का प्रयास किया है। हमारा ध्यान तीन पहलुओं पर है- शिक्षा, महिला उद्यमिता और सभी स्तरों पर महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी बनाना। हमारा मानना है कि डिजिटल समावेशन इन सभी क्षेत्रों में एक साझा विषय है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि महिलाओं को सफल होने के लिए आवश्यक डिजिटल उपकरण और संसाधन उन्हें समान रूप से सुलभ हों।

शिक्षा के क्षेत्र में, हम महिलाओं के लिए एसटीईएम शिक्षा और उच्च विकास वाली नौकरी के अवसरों को और अधिक सुलभ बनाने की हिमायत कर रहे हैं। हम विभिन्न बड़ी कंपनियों को प्रशिक्षुता कार्यक्रमों और भविष्योन्मुखी समावेशी पाठ्यक्रम में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। हम विभिन्न सरकारों से ऐसी स्पष्ट नीतियों और कानूनी ढांचे से लैस संपूर्ण-सरकार का दृष्टिकोण अपनाने का भी आग्रह कर रहे हैं, जो महिलाओं और लड़कियों को निरंतर सीखने के लिए प्रोत्साहित करे।

महिला उद्यमिता के संदर्भ में, हमने महिला उद्यमियों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के उद्यमियों के उत्थान के लिए एक व्यापक रणनीति विकसित की है। हमारा मानना है कि महिला उद्यमियों को अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बनने में समर्थ बनाना एक लाभकारी सौदा है ङ्क यानी व्यापक लैंगिक समानता के साथ एक समृद्ध अर्थव्यवस्था। हम निजी क्षेत्र को न केवल एक वित्तपोषक एवं खरीददार के रूप में, बल्कि एक मार्गदर्शक एवं विकास के उत्प्रेरक के रूप में भी आगे आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

हम सभी स्तरों पर महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम निर्णय लेने वाले स्तर पर महिलाओं के पहुंचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम विकसित कर रहे हैं, समावेशी कार्यस्थल से जुड़ी नीतियां पेश कर रहे हैं, लैंगिक विविधता के आयामों की नियमित समीक्षा व उसके बारे में प्रकाशन कर रहे हैं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित कर रहे हैं। महिलाओं को वास्तव में सशक्त बनाने के लिए, हमें समाज के सभी स्तरों पर नेतृत्व और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

हमें भारत की अध्यक्षता में इस पहल के तहत प्राप्त छह ठोस परिणामों को रेखांकित करने का विशेष रूप से गर्व है। सबसे पहले, हमने टेकइक्विटी प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया है, जो महिलाओं को ज्ञान के माध्यम से आगे रहने में मदद करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया एक अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म है। कुल 120 भाषाओं में उपलब्ध इस प्लेटफॉर्म के अगले छह महीनों में कम से कम दस लाख महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद है।

दूसरा, हमने एक केपीआई डैशबोर्ड विकसित किया है जो महिला सशक्तिकरण एवं प्रतिनिधित्व के मामले में हुई प्रगति का पता लगाने के लिए एक मापने योग्य एवं व्यवस्थित तरीका प्रदान करता है। मजबूत कार्यप्रणाली का उपयोग करके इन आंकड़ों पर लगातार नजर रखकर, हम सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु रुझानों, मूल कारणों और संभावित उपायों की पहचान कर सकते हैं।

नागरिकों का प्रजा में बदल जाना

अजीत द्विवेदी

सामंती और लोकतांत्रिक व्यवस्था में बुनियादी फर्क यह है कि लोकतंत्र में नागरिक होते हैं, जिनको संविधान से अधिकार मिले होते हैं और शासक उनकी जनरल विल यानी सामान्य इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि सामंती व्यवस्था में प्रजा होती है, जो राजा या सामंत की मर्जी का दास होती है। उसकी सामान्य इच्छा का कोई मतलब नहीं होता है। वहां राजा या सामंत सीधे भगवान का अवतार होता है। राज्य के उत्पत्ति के दैवीय सिद्धांत में इस बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके मुताबिक राजा ईश्वर द्वारा चुना गया होता है। अच्छा राजा जनता के अच्छे कर्मों का प्रतिफल होता है और बुरा राजा उसके बुरे कर्मों की सजा देने के लिए होता है। आजादी के बाद भारत में लोकतंत्र अपनाया गया और एक भारी-भरकम संविधान भी बना, जिसमें नागरिकों को कई अधिकार दिए गए। सिद्धांत रूप में शासक को संविधान, संसद और जनता के प्रति जवाबदेह बनाया गया लेकिन धीरे धीरे शासक राजा बनता गया और नागरिकों को प्रजा में बदल दिया गया।

वैसे यह प्रक्रिया तो आजादी के बाद से ही चल रही थी लेकिन पिछले कुछ समय से नागरिकों को प्रजा में बदलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। पिछले दिनों रक्षाबंधन के मौके पर केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमत में दो सौ रुपए की कमी की और उसके बाद कई तरह से यह बताया गया कि प्रधानमंत्री ने देश की बहनों को रक्षाबंधन की सौगात दी है। सोचें, क्या लोकतंत्र में इस तरह की शब्दावली के बारे में सोचा भी जा सकता है? सामंती व्यवस्था में इस तरह से राजा तीज-त्योहार या अपने जन्मदिन वगैरह के मौके पर सौगात बांटते थे। राजा खुश होता था तो प्रजा को उपहार दिए जाते थे। मोती लुटाए जाते थे। वही व्यवस्था अब भारत में लौट आई। यह सिर्फ केंद्र सरकार या प्रधानमंत्री की बात नहीं है। सभी पार्टियों की सरकारें यह काम कर रही हैं। सब नागरिक को पौनी प्रजा बनाने में लगे हैं। सब उपहार बांट रहे हैं। कोई महिलाओं को उपहार बांट रहा है तो कोई युवाओं को। कोई किसानों को सौगात बांट रहा है तो कोई छात्रों को। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि अमुक राजा साहेब की ओर से यह सौगात दी गई है इसलिए जनता को उनका आभारी होना चाहिए, उनका धन्यवाद करना चाहिए और उनको चुनाव में वोट देना चाहिए।

अभी भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार सामग्री जारी करने के क्रम में प्रधानमंत्री का एक पोस्टर जारी किया, जिसमें वे पगड़ी बांधे हुए लंबे डग भर रहे हैं और नीचे लिखा गया- भारत भाग्य विधाता! भाजपा ने प्रधानमंत्री को भारत भाग्य विधाता बना दिया! पांच हजार साल के इतिहास वाले देश और 140 करोड़ लोगों की आबादी के भाग्य विधाता प्रधानमंत्री हो गए! वह प्रधानमंत्री, जो खुद को कभी प्रधान सेवक कहते हैं, कभी चौकीदार कहते हैं तो कभी फकीर कहते हैं। उनको उनकी पार्टी भारत भाग्य विधाता बता रही है! रघुवीर सहाय की मशहूर कविता याद आ रही है- राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत भाग्य विधाता है, फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हरचरना गाता है। मखमल टमटम बल्लम तुरही पगड़ी छत्र चंवर के साथ, तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर जय-जय कौन कराता है। कितना दुर्भाग्य है कि कहां तो देश के 140 करोड़ लोगों को भारत का भाग्य विधाता होना था लेकिन उनकी सामान्य इच्छा से चुना गया शासक भारत भाग्य विधाता बन गया!

प्रधानमंत्री या भारतीय जनता पार्टी अपवाद नहीं है। हर राज्य का मुख्यमंत्री छोटा मोटा भाग्य विधाता है। प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ लोगों के भाग्य विधाता हैं तो अरविंद केजरीवाल दिल्ली व पंजाब के लोगों के भाग्य विधाता हैं। शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के तो अशोक गहलोत राजस्थान के लोगों के भाग्य विधाता हैं। देश का हर मुख्यमंत्री इन दिनों भाग्य विधाता बना है। हर राज्य में नागरिकों को प्रजा में तब्दील कर दिया गया है। उनको मुफ्त में अनाज दिया जा रहा है, मुफ्त में इलाज की सुविधा दी जा रही है, मुफ्त में बस यात्रा कराई जा रही है, सस्ती दर पर रसोई गैस के सिलिंडर दिए जा रहे हैं, महिलाओं के खाते में नकद पैसे दिए जा रहे हैं तो किसानों के खाते में सम्मान निधि भेजी जा रही है। केंद्र सरकार दावा कर रही है कि मुफ्त में वैक्सीन लगवा कर मोदीजी ने देश के 140 करोड़ लोगों की रक्षा की। संसद में खड़े होकर सत्तारूढ़ दल का एक सांसद कहता है कि देश के लोगों को प्रधानमंत्री का आभारी होना चाहिए कि उन्होंने मुफ्त में वैक्सीन लगवाई और करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज मुहैया करा रहे हैं। चुनाव में नमकहलाली के नाम पर वोट भी मांगे जा रहे हैं, जबकि नमक नागरिक का है। उससे सरकार हर साल करीब 40 लाख करोड़ रुपया कर वसूल रही है और कथित सौगात कितने की होगी, चार या पांच लाख करोड़ रुपए की! अगर इसे पूरे मामले का सरलीकरण करें तो यह वोट लेने का सबसे आसान तरीका बन गया है। सरकारी खजाने से पैसा निकाल कर सरकारें गरीब, महिला, मजदूर, किसान, युवा, छात्र-छात्रा आदि के नाम पर अलग अलग योजना के तहत कुछ उपहार या पैसे देती हैं। उसके बाद दावा करती हैं कि वह सौगात दे रही है या 'मुफ्त की रेवड़ी' दे रही है। देश की भोली जनता यह नहीं समझती है कि उसी के खून-पसीने की कमाई के पैसे से सरकार उसको थोड़ा बहुत कुछ दे रही है। यह दांव अभी कामयाब है। इसलिए सारी पार्टियां आजमा रही हैं। अगर इस पूरी प्रक्रिया को बारीकी से देखें तो पता चलेगा कि इस तरह के काम सरकारें अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए भी करती हैं। वोट तो उनको मिल ही रहा है, ऊपर से उनकी जिम्मेदारी कोई तय नहीं हो रही है। थोड़े से पैसे या कोई उपहार लेकर जनता खुश है। वह अपने शासकों से नहीं पूछती है कि उसने रोजगार के अवसर बनाने के लिए क्या किया या हर नागरिक के सम्मान के साथ जीने के संवैधानिक अधिकार को पूरा करने के लिए क्या किया? ऐसा लग रहा है कि सरकारों ने 'मुफ्त की रेवड़ी' बांटने या लोगों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के उपायों के नाम पर फैक्टरी लगाने, उत्पादन बढ़ाने के उपाय करने, बुनियादी ढांचे का विकास करने, स्कूल-कॉलेज-अस्पताल बनवाने, नागरिकों के लिए सम्मान के साथ जीने की स्थितियां पैदा करने का काम छोड़ चुकी हैं। धीरे धीरे सब कुछ बाजार या निजी क्षेत्र के हवाले किया जा रहा है और उस स्थिति से निपटने के लिए जनता को तैयार करने की बजाय उसको थोड़े से पैसे देकर उसका रहनुमा बना जा रहा है। सरकारें रोजगार देने की बजाय आरक्षण का झुनझुना थमा रही हैं। यह वादा कर रही हैं कि निजी सेक्टर में आरक्षण की व्यवस्था करेंगे। लोग भी संतोष कर रहे हैं कि सरकारी सेक्टर में नौकरियां कहां हैं, जो सरकार कुछ करे। सवाल है कि सरकार नौकरियों के अवसर बनाने वाली योजनाएं क्यों नहीं बनाती हैं? अगर संविधान हर नागरिक को सम्मान से जीने का अधिकार देता है तो पांच किलो मुफ्त अनाज में क्या सम्मान है? असल में वोट हासिल करने के इस आसान उपाय की वजह से सरकारों ने दीर्घावधि की योजनाओं पर सोचना बंद कर दिया है और ठोस व ढांचागत विकास का काम हाशिए में डाल दिया है।

सार-समाचार

टीम भावना के साथ की गई अकादमिक मॉनिटरिंग

नगरी। शैक्षिक गुणवत्ता पर जब भी चर्चा होती है तो हर तरफयही चर्चा होती है कि विभाग में तालमेल एवम टीम भावना का अभाव है। यह देखने में भी आता है। इस मिथक को संकुल सिंगपुर मगरलोड के संकुल प्राचार्य डॉ. व्ही पी चन्द्रा,बी आर सी धीरज देवांगन तथा खड़मा के संकुल समन्वयक दानी राम देवांगन ने तोड़ा है। तीनों ने यह निर्णय लिया कि संकुल स्तर की मॉनिटरिंग टीम भावना के साथ की जाए तथा मॉनिटरिंग किये जाने वाले विद्यालय में कम से कम तीन चार घण्टे का समय बच्चे तथा शिक्षकों से अकादमिक चर्चा,अकादमिक गतिविधि एवम अकादमिक सहयोग में व्यतीत किया जाए। इसी बात को ध्यान में रखकर माध्यमिक शाला मुड़केरा संकुल खड़मा की मॉनिटरिंग की गई। मॉनिटरिंग में जहां एक तरफशासन की शैक्षिक योजनाओं की जानकारी लेकर समीक्षा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया वहीं मिशन अव्वल के परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रम पूर्णता की स्थिति पर भी चर्चा की गई। प्रत्येक बच्चों के सीखने के स्तर से सम्बंधित पंजी, अभ्यास पुस्तिका का भी अवलोकन किया गया। बच्चों से सवाल कर उनके सीखने के स्तर की भी जांच की गई। इस दौरान कुछ पालकों से भी अध्ययन अध्यापन सम्बन्धी चर्चा की गई। स्कूल में चल रही समस्त गतिविधियों की समीक्षा उपरांत तीनों ने विद्यालय के लिए न्यूनतम कार्यक्रम को अनिवार्य कर अकादमिक सुझाव दिया जिसमें प्रथम कालखंड को रचनात्मक और रुचिकर बनाना, सक्रिय लाइब्रेरी की स्थापना, टी एल एम एवम गतिविधि के साथ समझ आधारित कक्षा शिक्षण,समूह शिक्षण, प्रत्येक दिन आंकलन , माह के अंत में विद्यार्थी विकास सूचकांक पंजी का संधारण कर कमजोर बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षण पर विशेष जोर देने का निर्देश सह सुझाव दिया गया। खुशनुमा माहौल में किये गए इस सन्युक्त मॉनिटरिंग की चर्चा शिक्षकों के बीच सकारात्मक ढंग से हो रही है। आने वाले दिनों में भी इस तरह की मॉनिटरिंग खड़मा तथा सिंगपुर संकुल के विद्यालयों में की जाएगी जिसका परिणाम प्रेरणादायी होगा।

एनएसयूआई का विधानसभा स्तरीय छात्र सम्मेलन

नगरी। एनएसयूआई सिहावा विधानसभा द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर नगरी में क्षेत्र के छात्रों और युवाओं को प्रदेश की कांग्रेस सरकार के किए गए छात्र हितैषी कार्यों और योजनाओं के बारे में बताने व एनएसयूआई की कार्यशैली से छात्रों को अवगत कराने के उद्देश्य से भरोसे का सम्मेलन-छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस छात्र सम्मेलन कार्यक्रम में विधानसभा के सभी अंचलों से सैकड़ो की संख्या में छात्र पहुंचे और भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की योजनाओं से अवगत हुए। एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष अंकुश देवांगन ने बताया कि एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन के निर्देशानुसार सिहावा विधानसभा में छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को सरकार की योजनाओं से अवगत कराया गया, एनएसयूआई प्रदेश सह सचिव गीतेश साव और बेलर ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द यादव ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों और युवाओं को सरकार की योजनाओं से रूबरू करा कर उन्हे योजनाओं का लाभ पहुंचाने का है, भूपेश बघेल जी के द्वारा लगातार छात्र और युवाओं के हित के लिए कार्य किया जा रहा है जिसे लोगों तक पहुंचाने के लिए एनएसयूआई द्वारा ये एक सार्थक प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में सिहावा विधानसभा विधायक लक्ष्मी ध्रुव के अलावा क्षेत्र के तमाम कांग्रेसी नेताओं ने शिरकत की। जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेश ठाकुर, पूर्व विधायक अंबिका मरकाम, जिला पंचायत सदस्य मनोज साक्षी, मीना बंजारे शोभी राम नेताम, उमेश देव, युवा कांग्रेस के पदाधिकारी सोनू चौहान, विजेंद्र रामटेके, प्रमोद कुंजाम, नदीम अली, प्रेमांशु प्रजापति आदित्य ठाकुर ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें कांग्रेस सरकार की योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और एनएसयूआई और कांग्रेस के इतिहास और कार्यशैली से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में अयान शेख, सोनल सोनी, विवेक कतलाम, सूरज सिन्हा, दक्ष साहू, सतीश साहू, मनीष नेताम, खेमन साहू, तुषार साहू,भेपेन कवर , प्रदीप, आशीष, रोहित समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और छात्र उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

नगरी। राज्य स्तरीय एक दिवसीय रात्रि कालीन कबड्डी प्रतियोगिता का शनिवार को समापन समारोह का आयोजन ग्राम अछोली में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद कुंजाम उपाध्यक्ष जिला युवा कांग्रेस , विशिष्ट अतिथी उत्तम नेताम जनपद सदस्य, कुलदीप साहू ,मन्नूलाल नेताम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिरधर मरकाम, सरपंच पंचायत फरसापानी ने की। प्रतियोगिता में 40 टीमो ने हिस्सा लिया जिसका फाइनल मुकाबला पाईकभाटा और छुरा की टीम के बीच खेला गया, जिसमें पाइकभाटा की टीम ने 9 पॉइंट से छुरा की टीम को हराकर प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया।वहीं तृतीय स्थान कुरमियां और चतुर्थ अछोली ने प्राप्त किया। इस मौके पर सोनसाय नेताम,नंदकुमार मरकाम, देवराज नेताम,संदीप मांडवी ,पुखराज मरकाम, राकेश मरकाम ,भरत यादव, देव कुमार मरकाम ,तीरथ मरकाम ,प्रेमबाई मरकाम, राजबाई यादव ,लक्ष्मीनाथ नेताम,धनुराम नेताम, दिनेश साहू ,पूनम ठाकुर अनेक लोग मौजूद थे।

जल जीवन मिशन ने बदली भोथीडीह की तस्वीर,घरों से लेकर आंगनबाड़ी एवं स्कूलों तक पहुंचने लगी रनिग वाटर सप्लाई

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट

जल जीवन मिशन के तहत जिले के सभी गावों में पेय जल की उपलब्धता हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा घरों से लेकर आंगनबाड़ी,स्कूलों, अस्पतालों एवं ग्राम पंचायत भवनों तक नल जल के माध्यम से पानी पहुचाने का कार्य किया जा रहा है। इस योजना से लाभांवित होते हुए भाटापारा विकासखंड के ग्राम भोथीडीह की तस्वीर बदल गयी है। गांव के सभी घरों,आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं पंचायत भवन में नल जल से पानी उपलब्ध कराने हेतु रनिग वाटर की सप्लाई कार्य पूरी कर ली गयी है। अब इससे लोगो को घरों में ही शुद्ध पानी पीने को मिल जा रहा है।

जल जीवन मिशन से पूर्व पेयजल की स्थिति* ग्राम भोथीडीह में पेयजल व्यवस्था हेतु 14 हेण्डपम्प स्थापित है, जिसमें से मुख्य रूप से सभी हेण्डपम्प संचालित है। परन्तु ग्रीष्मकाल के दिनों में अधिकतर हेण्डपम्प का जल स्तर निचे गिर जाने की वजह से सुखा की स्थिति उत्पन्न होती थी। परिवार के निस्तारन के लिए ग्राम के 4 तालाब उपलब्ध है। जो कि सिर्फ निस्तार का उपयोग योग्य है। ग्रामवासी पेयजल के लिए ग्राम से बाहर हेण्डपंप कूपों से पेयजल की पूर्ति करते थे। इस प्रकार ग्रीष्मकाल में ग्राम की महिलाओं को अत्यंत परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

पेयजल समस्या निदान हेतु कार्य की शुरूवात* ग्राम भोथीडीह की उक्त पेय जल समस्या के निदान हेतु विभागीय अधिकारी,कर्मचारीयों द्वारा ग्राम सभा जल सभा का आयोजन कर उपस्थित ग्राम वासियों से चर्चा की गई। ग्राम की पेयजल समस्या के समाधान हेतु जल

जीवन मिशन योजना से कार्यो के बारे में जानकारी दी गयी। उक्त ग्राम में लगभग 239 परिवार निवासरत है। जिसमें जल जीवन मिशन के तहत् नल कनेक्शन प्रदान किया गया। ग्राम में 50 कि.ली. की क्षमता वाला पानी टंकी पूर्व से निर्माणधींन था। जो कि ट्यूबवेल से शुद्ध जल भरकर गांव के प्रत्येक घरों में जल जीवन मिशन के तहत् शुद्ध पेयजल सप्लाई हो रही है। ग्राम के सरकारी स्कूल,आंगनबाडी,पंचायत भवन,शौचालय में रनिंग वाटर के माध्यम से पानी सप्लाई किया जा रहा हैं। स्कुली बच्चों के साथ चर्चा कर उनसे जल जीवन मिशन द्वारा पहुंच जल के बारे में उनकी खुशी जाहिर करते हुए, पानी पीने, हाथ धोने और पानी व्यर्थ न बहने का आग्रह किया गया, साथ ही जल संरक्षण हेतु सोख्ता गड्ढा निर्माण कराने की गुजारिस पंचायत से की गई। उसी तरह पंचायत के प्रत्येक घरों में जाकर जल जीवन मिशन के तहत् प्रदाय नलजल योजना के द्वारा प्राप्त पानी के बारे में बात कर उनकी पूर्व की पानी से संबधित समस्याएं एवं अब हो रही सुविधा के बारे में बात करते हुए ग्राम की निवासी

रेनु साहू ने बताया कि हमारे घर में पानी की बहुत ज्यादा समस्या होती थी। पीने के पानी के लिए घर से दूर बोरिंग एवं कुएं में जाना पड़ता था। जिसके वजह से घर के काम-काज में परेशानियां होती थी। बच्चों की पढ़ाई और पति के कार्य पर जाने में देरी जैसी परस्थितियों से गुजरना पड़ता था परन्तु अब सभी कार्य के लिये पर्याप्त समय मिल जाता है। उन्होंने प्राप्त नल कनेक्शन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इसी तरह गांव की महिलाओं को पंचायत द्वारा चयन कर उन्हे एफटी.के. द्वारा पानी की जांच करना सिखाया गया है। गांव की सभी बोरिंग, कुंआ के पानी का जांच किया जाना सुनिश्चित किया गया जो की एक उत्कृष्ट कार्य के रूप में किया जा रहा है। साथ ही उन्हे गांव में जल संरक्षण की जागरूकता हेतु बताया गया जो की सोख्ता गड्ढा का निर्माण कर दूर किया जा सकता है। साथ ही गांव के प्लम्बर,इलेक्ट्रिशियन,हेल्पर की ट्रेनिंग विभाग के मास्टर ट्रेनर द्वारा दी गई जो कि ग्राम में संचालित जल जीवन मिशन द्वारा नल जल कनेक्शन की देखभाल के लिये उपस्थित रहेगें। समस्त ग्राम वासियों एवं ग्राम सरपंच एवं सचिव द्वारा जल जीवन मिशन के तहत् किये गये कार्य की प्रशंसा कर सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

कचरा मुक्त भारत थीम पर हो रहे विभिन्न आयोजन

चंद्राप्रकाश टोंडे सिमगा । स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना अंतर्गत 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2023 तक ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2023 के थीम कचरा मुक्त भारत के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ऐसे स्थलों का चिन्हांकन किया गया है, जहां कूड़ा जमा होता है और उन स्थलों की साफ-सफाई की जा रही है। भविष्य में कूड़ा जमा न हो इसके लिए लोगों को आदत परिवर्तन के लिए 3 माह तक लगातार प्रेरित किया जाएगा। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के सभी सार्वजनिक स्थल,बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन, पर्यटन स्थल, पार्क, धार्मिक स्थल, प्रसिद्ध स्थल, नदी के किनारे, घाट, नालियों व नाले में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं भी जमा लीगेसी वेस्ट की सफाई की जा रही है। सभी स्वच्छता परिसंपत्तियों का सुधार, पेंटिंग, सफाई व ब्रांडिंग भी हो रही है। सभी शहर व ग्राम के मार्केट प्लेस, सार्वजनिक स्थल, धार्मिक स्थल,पर्यटन स्थल पर स्वच्छ भारत मिशन की पेंटिंग व डस्टबिन की उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही स्वच्छता प्रतियोगिता, पौधरोपण, स्वच्छता शपथ, स्वच्छता रन का आयोजन हो रहा है। पर्यटन स्थल व धार्मिक स्थलों पर सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने व हरा गीला कचरा तथा सूखा नीला कचरा की जानकारी दी जा रही है। सभी स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र व संस्थान में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। 17 सितम्बर को इंडियन स्वच्छता लीग में युवाओं द्वारा श्रमदान के माध्यम से महत्वपूर्ण स्थलों की सफाई की जाएगी। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर के मध्य सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन एवं केन्द्र पोषित योजना में लाभ हेतु सिंगल विंडो वेल्फेयर कैम्प व हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों से स्वच्छता संवाद एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान का ब्राउचर पाम्प्लेट, पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

मुड़पार में मनाया गया सामूहिक श्रम दान* पलारी विकासखंड के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत मुड़पार में महिला स्व सहायता समूह के द्वारा सामूहिक श्रम दान कार्यक्रम का आयोजन कर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

विभिन्न गावों में हुआ आयोजन- ग्राम पंचायत मोतीपुर,सकरी,बुचीपार, में आज ''स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत सामूहिक श्रमदान किया गया जिसमे गली की साफ सफाई ,नाली की साफ सफाई,हैंडपम्प के आस पास की साफ सफाई एवं सभी सर्वजनिक स्थानों की साफ सफाई किया गया तथा सभी को स्वछता के प्रति जागरूक होने के लिए शपथ दिलाई गई। जिसमे मुख्य रूप से सीईओ हिमांशु वर्मा द्वारा ग्राम पंचायत मोतीपुर,पीसीद,आमखोहा एवं खरी के सरपंच,स्वछाग्राही और गांव के सभी नागरिकों ने इस स्वच्छता कार्यक्रम मे भाग लिया एवं स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक किया गया।

खैरागढ़ के संगीत विश्व विद्यालय का दल देगा शानदार प्रस्तुति, उत्साहित कलाकार जुटे हैं तैयारियों में

रायगढ़। 38 वें चक्रधर समारोह का 19 से 21 सितम्बर तक नगर निगम ऑडिटोरियम रायगढ़ में गरिमापूर्ण आयोजन होगा। जिसकी तैयारियां लगातार जारी है। गणेश चतुर्थी से प्रारंभ होने वाले चक्रधर समारोह इस बार खास होने वाला हैं, क्योंकि पहली बार गणेश चतुर्थी पर कलेक्टर श्री सिन्हा ने स्थानीय अवकाश घोषित किया है। जिससे अधिक से अधिक नगरवासी समारोह का आनंद ले सकेंगे। चक्रधर समारोह में पहली बार जिले एवं प्रदेश की बहुसंख्य सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। जहां गायन-वादन और नृत्य के शीर्षस्थ कलाकारों के साथ ही युवा पीढ़ी के प्रतिभाशाली स्थानीय कलाकार भी समारोह में हिस्सा ले रहें हैं। चक्रधर समारोह में इस वर्ष युवा सहभागिता के तहत बड़ी संख्या में रायगढ़ जिले के स्कूली छात्र-छात्राओं की सामूहिक नृत्य प्रस्तुति एवं स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है।

19 सितम्बर मंगलवार को चक्रधर समारोह का उदघाटन श्री गणेश पूजन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ होगा। जिसमें श्री वेदमणि सिंह ठाकुर एवं ग्रुप रायगढ़ द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति देंगे। चक्रधर कला एवं संगीत विद्यालय, रायगढ़ द्वारा राज्यगीत (नृत्य के साथ), पं.परितोष पोहनकर द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। इसी तरह श्रीमती सोमा दास एवं ग्रुप (चक्रधर बाल सदन रायगढ़ की बालिकाओं द्वारा)कथक नृत्य की विशेष प्रस्तुति, डॉ.विनोद मिश्र (ख्याल एवं ठुमरी)पर शास्त्रीय गायन, सुश्री आर्या नंदे 'श्रीधारा' द्वारा ओडिसी नृत्य, सुश्री गीतिका ठेठवार द्वारा बांसुरी वादन, सुश्री मधुमिता नकवी द्वारा शास्त्रीय गायन, सुश्री अंजली शर्मा द्वारा कथक नृत्य, श्री प्रफुल्ल सिंह गहलोत द्वारा कथक नृत्य एवं श्री दीपक आचार्य एवं ग्रुप रायगढ़ छत्तीसगढ़ी लोक संगीत रंग की प्रस्तुति देंगे।

चक्रधर समारोह में 20 सितम्बर को दोपहर 12 से शाम 05 बजे तक ओपी जिंदल स्कूल, तराईमाल द्वारा देशभक्ति, न्यू होराइजन स्कूल रायगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ी नृत्य, संस्कार पब्लिक स्कूल रायगढ़ द्वारा ईश्वर भक्ति पर सेमी क्लासिकल, विद्या विकास कांसेप्ट स्कूल रायगढ़ द्वारा कृष्ण लीला नृत्य पर प्रस्तुति देंगे। इसी प्रकार सेंट जेंवियर्स स्कूल रायगढ़ द्वारा राजस्थानी व हरियाणवी, ओपी जिंदल स्कूल पतरापाली द्वारा शिव तांडव पर कथक एवं भरतनाट्यम, जीजी बोर्डिंग स्कूल धनुवारडेरा द्वारा गुजराती नृत्य, आदर्श ग्राम्य भारती किरोड़ीमल नगर रायगढ़ द्वारा संबलपुरी गीत (केसरी लो) पर रास] सेजेस शासकीय स्कूल तमनार द्वारा छत्तीसगढ़ी नृत्य, साधुराम विद्या मंदिर रायगढ़ द्वारा दुर्गा एवं काली पर आधारित मराठी नृत्य, कार्मेल हिन्दी माध्यम स्कूल रायगढ़ द्वारा देश भक्ति गीत पर नृत्य की प्रस्तुति देंगे।

20 सितम्बर को शाम 6 बजे से सुश्री आनंदिता तिवारी द्वारा कथक नृत्य, श्री मनोज जायसवाल द्वारा सितार वादन, सुश्री ज्योतिश्री बोहिदार (रायगढ़ घराना) द्वारा कथक नृत्य, श्री गरीब दास महंत रायगढ़ द्वारा तबला वादन, सुश्री नेहा बनर्जी द्वारा कथक नृत्य, सुश्री आरती सिंह द्वारा लोक संगीत (लोकचदा), सुश्री घनिष्ठा दुबे (रायगढ़ घराना)द्वारा कथक नृत्य, मो.रौशन अली रायगढ़ द्वारा देशभक्ति एवं भजन गायन, श्री हुतेन्द्र ईश्वर शर्मा रायगढ़ द्वारा लोक रंग नाचा, कु.श्रुतिदास रायगढ़ द्वारा ओडिसी नृत्य, मो.अयान द्वारा पियानो वादन एवं सुश्री ऐश्वर्या पंडित गायन की प्रस्तुति देंगी।

इसी प्रकार 21 सितम्बर को दोपहर 12 से 04 बजे तक सुश्री धरित्री सिंह चौहान पुसौर द्वारा कथक, सुश्री शार्वी सिंह परिहार द्वारा कथक, श्री शेखर गिरी एवं ग्रुप द्वारा पंथी नृत्य, विजय शर्मा द्वारा जसगान एवं लोक गायन तथा नृत्य, सुश्री गीतिका वैष्णव द्वारा महिषासुर मर्दिनी/लोकगायन/नृत्यए श्री मनोज तिवारी द्वारा जस जागरण लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम, सुश्री अनंता पाण्डेय द्वारा कथक, श्री ललित यादव द्वारा सुगम संगीत भजन, सुश्री पर्ल मोटवानी द्वारा शास्त्रीय गायन, डॉ.दीपिका सरकार एवं ग्रुप द्वारा भरत नाट्यम, श्री हरे कृष्ण तिवारी द्वार बांसुरी वादन, सुश्री शार्वी केशरवानी द्वारा कथक एवं श्री विजय सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक गीत की प्रस्तुति दी जाएगी।

21 सितम्बर को शाम 6 बजे से इंदिरा संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा विशिष्ट कार्यक्रम की प्रस्तुतियां होगी। सुश्री तब्बू परबीन (रायगढ़ घराना)द्वारा कथक नृत्य, श्री अनिल तांडी एवं ग्रुप भिलाई द्वारा भरत नाट्यम, सुश्री आशना दिल्लीवार द्वारा कथक नृत्य, श्री इबरार अहमद एवं संजय चौहान रायगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ी भजन/लोकगायन, सुश्री सुहानी स्वर्णकार सारंगढ़ द्वारा कथक नृत्य, डॉ.गौरव कुमार पाठक बिलासपुर द्वारा शास्त्रीय गायन एवं श्री युवराज सिंह आजाद एवं ग्रुप रायगढ़ द्वारा नाटक (इप्टा)की प्रस्तुति देंगे।

चक्रधर समारोह में प्रस्तुति देने खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से आएगा 60 कलाकारों का दल, प्रतिभागियों में दिख रहा उत्साह- लंबे समय तक एशिया के एक मात्र संगीत विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के 60 कलाकारों का दल भी इस दफे चक्रधर समारोह में प्रस्तुति देंगे।

मोहभट्ठा में प्रस्तावित स्पात सयंत्र के विरोध में स्वर बुलंद

रिपोर्टर चंद्रप्रकाश टोंडे : विकाशखण्ड के मोहभट्ठा में स्पात सयंत्र लगाने की तैयारी की जा रही है ।जिसके लिए ग्राम पंचायत से जारी होने वाले अनापत्ति प्रमाण पत्र में पेच हुवा है ।ग्रामीणों ने इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ कुछ दिनों पूर्व पंचायत भवन के पास बैठक की एव किसी भी स्थित में कंपनी प्रबंधन को एनओसी देने के पक्ष में नही है ।ग्रामीणों का मानना है कि गाँव मे स्पात सयंत्र लगने से यहां के हालात सिलतरा व उरला जैसे हो जाएंगे,खेती किसानी करना दूभर हो जाएगा ।जिसे लेकर अब गाँव के जागरूक युवा एकजुट हो गए है और इसका मुखर तौर पर विरोध कर है एव प्रभावित ग्राम दावनबोड, खरगाडीह, कुकराचूंदा में बाइक रैली निकाल कर कम्पनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है ।जिसका इन युवाओ को समर्थन भी मिला है ।

कंपनी प्रबंधन के व्यक्तियों के द्वारा ग्रामीणों को अपने पक्ष में लाने धन राशि खर्च करने की चर्चा जोरों पर- वही कंपनी लगने के विरोध को देखते हुए प्रबंधन के व्यक्तियों पर ग्रामीणों को बरगलाने का भी आरोप लग रहे है ।उनके द्वारा असंतुष्ट लोगो को अपने पक्ष में करने के लिए साम दाम दंड भेद सभी प्रकार के हथखण्डे अपनाए जा रहे है

।जिसकी वजह से ग्रामीणों में काफी आक्रोश भी देखा जा रहा है।

बड़े जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधित्व के बावजूद नही मिल रहा साथ- ग्रामीणों के मंसा अनुरूप कंपनी क्षेत्र में नही लगनी चाहिए। लेकिन चुने हुए जनप्रतिनिधियों ने इन्हें अब तक साथ नही मिला ।मोहभट्ठा क्षेत्र सिमगा जनपद अध्यक्ष वीणा आडिल का जनपद क्षेत्र है वही विधायक पद के लिए दावेदारी कर रहे जिला पंचायत सदस्य रेणुका अभिनव यदु भी इसी क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करती है ।ऐसे में ग्रामीण अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे है ।

उक्त सम्बन्ध में मोहभट्ठा के युवा घनश्याम वर्मा,हेमंत वर्मा,हरीश वर्मा ,भीखम वर्मा,दिनेश वर्मा ,वीरेंद्र वर्मा,भूपेंद्र वर्मा,गरीबा साहू आदि ने साफ तौर पर कहा कि कम्पनी लगने से यहां की उपजाऊ भूमि को नुकसान होगा लम्बी लड़ाई के बाद खेत के सिचाई हेतु नहर में पानी मिला है ।कंपनी के काले धुवे से खेत ही बर्बाद हो जाएंगे तो नहर के पानी का क्या करेंगे ।हम मोहभट्ठा में कम्पनी लगने के पक्ष में नही है ।

वही सर्वदलीय मंच सिमगा के पदाधिकारी व सदस्य भी मोहभट्ठा में सयंत्र लगाने के पक्ष में नही है ।मंच के सदस्य रमेश सोनी ने बताया कि सिमगा विश्राम गृह में 19 सिंतम्बर को इसे लेकर बैठक आयोजित की जा रही है उसके बाद आगे की रणनीति तैयार की जाएगी ।सोनी ने आगे कहा कि दामाखेड़ा में सीएम भूपेश बघेल ने 10 किलोमीटर के एयर डिस्टेंस में कम्पनी लगाने की अनुमति नही देने की बात कही है ।ऐसे में मोहभट्ठा में सयंत्र कैसे लग सकता है ।

भारतीय वायुसेना खरीदेगी फाइटर जेट : पुराने मिग-21 की जगह लेगा तेजस का एडवांस वर्जन

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय वायुसेना 100 मेड-इन-इंडिया LCA मार्क vA फाइटर जेट खरीदेगी। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने अपने स्पेन दौरे में इसकी घोषणा की। ख्र मार्क-1, तेजस एयरक्राफ्ट का एडवांस वर्जन है। इसमें अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम लगे हैं। एयरफोर्स इससे पहले भी 83 LCA एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दे चुकी है।भारतीय वायुसेना का इन एयरक्राफ्ट को खरीदने का मकसद पुराने मिग-21 को रिटायर करना है। डील के लिए आधिकारिक प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय और नेशनल सिक्योरिटी स्टेकहोल्डर्स को भेजा जा चुका है। रिव्यू मीटिंग के बाद लिया गया फैसला 100 और LCA मार्क 1 फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदने का फैसला वायुसेना प्रमुख की अध्यक्षता में एक रिव्यू मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के C-मिग सीरीज के 500 से ज्यादा फाइटर जेट क्रैश हो चुके

1963 के बाद से इंडियन एयरफोर्स को अलग-अलग सीरीज के 872 मिग फाइटर प्लेन मिल चुके हैं। इनमें से करीब 500 फाइटर जेट क्रैश हो चुके हैं। इन हादसों में 200 से ज्यादा पायलट और 56 आम लोगों को जान गंवानी पड़ी।

सबसे ज्यादा हादसे मिग-21 के साथ हुए हैं, इसलिए ये उड़ता ताबूत और विडो मेकर के नाम से भी बदनाम है। अब एयरफोर्स मिग सीरीज के एयरक्राफ्ट्स को लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट से रिप्लेस करेगी।

295 ट्रांसपोर्ट प्लेन लेने स्पेन गए हैं वायुसेना प्रमुख

एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ष्ट-295 ट्रांसपोर्ट प्लेन लेने स्पेन गए हैं। यहां उन्होंने 13 सितंबर को पहला ष्ट-295 ट्रांसपोर्ट प्लेन रिसीव किया। यह एयरक्राफ्ट पिछले तीन दशकों से सेवा में लगे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट एवरो-748 को रिप्लेस करने के लिए लाया जा रहा है।

इस एयरक्राफ्ट को 25 सितंबर को गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर वायुसेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। इसके बाद यह आगरा एयरबेस पर तैनात होगा। सूत्रों के मुताबिक, आगरा में ष्ट-295 एयरक्राफ्ट को चलाने की ट्रेनिंग देने के लिए ट्रेनिंग सेंटर भी अगले साल तक तैयार होगें

भारत में बने हैं ख्र मार्क-1 के 65% से ज्यादा पमेंट्स

इसके पहले भारत ने 83 LCA मार्क-1 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया था, जिनकी डिलीवरी फरवरी 2024 में हो सकती है। ख्र मार्क-1 के 65त्न से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं। इसे एयरोस्पेस में भारत की आत्मनिर्भरता और मेक-इन-इंडिया की तरफ बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारी भी शामिल थे। इस डील के पूरे होने के बाद भारत के पास अगले 15 सालों में 40 LC तेजस, 180 से ज्याद æ LCA मार्क-1 और कम से कम 120 LCA मार्क-2 एयरक्राफ्ट होने की उम्मीद है।

बीफन्यूज

अयोध्या राम मंदिर: दिन में 14 घंटे खुलेगा राम का दरबार

अयोध्या, एजेंसी।

रामजन्मभूमि में राममंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मंदिर का उद्घाटन होने के बाद हर रोज मंदिर करीब 12 से 14 घंटा खोला जाएगा। इस दौरान करीब 1.50 लाख भक्त हर रोज राममंदिर के दरबार में हाजिरी लगा सकेंगें। राममंदिर का निर्माण तीन चरणों में पूरा किया जाना है। आखिरी चरण दिसंबर 2025 में पूरा होगा। ट्रस्ट के अनुसार पीएम समय-समय पर मंदिर निर्माण की प्रगति जानते रहते हैं।

तीन मंजिला राममंदिर 161 फीट ऊंचा होगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का अनुमान है कि मंदिर बनने के बाद हर रोज करीब एक से डेढ़ लाख भक्त दर्शन को पहुंचेंगे। मंदिर हर रोज 12 से 14 घंटा खोला जाएगा ऐसी योजना है। हर भक्त को गर्भगृह में 20 सेंकेड ही दर्शन को मिल सकेंगे। भीड़ नियंत्रण को लेकर अभी से रूपरेखा बनने लगी है। राममंदिर में प्रशिक्षित पुजारियों की तैनाती की जाएगी।

ट्रस्ट के अनुसार राममंदिर का निर्माण तीन चरणों में पूरा होगा। पहला दिसंबर 2023 में पूरा होगा। इसमें ग्राउंड फ्लोर का निर्माण होगा और वहां भगवान स्थापित हो जाएंगे। दूसरा चरण में मंदिर निर्माण पूरा होगा। इसे दिसंबर 2024 तक कर लिया जाएगा। तीसरा और आखिरी चरण दिसंबर 2025 में पूरा होगा। इसमें पूरे मंदिर परिसर का निर्माण होना है, जिसमें अन्य महत्वपूर्ण भवन और मंदिर भी शामिल हैं।

चुनौती बना डायरिया: तीन दिन से हो रहीं बच्चों की मौतें

मैनपुरी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बुखार के साथ बढ़ रहे डायरिया के मरीज स्वास्थ्य विभाग की चुनौती बढ़ा रहे हैं। पिछले तीन दिन से लगातार डायरिया से पीड़ति मरीजों की मौत हो रही है। शनिवार को डायरिया से पीड़ति एक और बालक की मौत हो गई। पिछले तीन दिन में जिल में प्रतिदिन डायरिया से पीड़ति मरीजों की मौत हो रही हैं। एलाऊ थाना क्षेत्र के गांव बिरतिया निवासी विमलेश के सात साल के पुत्र अंशु को शुक्रवार की रात अचानक उल्टी दस्त शुरू हो गए। परिजन उसे एक निजी डॉक्टर के यहां ले गए। उपचार में राहत न मिलने पर परिजन देर रात उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इससे पूर्व में दन्नाहार के चौरासी निवासी राजू के दो साल के पुत्र आयुष की शुक्रवार को डायरिया की दिक्कत के चलते मौत हो गई। थी। वहीं बृहस्पतिवार को शहर के मोहल्ला महमूद नगर निवासी परवेज की 23 वर्षीय पत्नी साबरा की मौत हो गई थी। पिछले तीन दिन में तीन मौतें स्वास्थ्य विभाग के लिए बुखार के बीच डायरिया की रोकथाम की चुनौती खड़ी कर रही हैं।

जिला अस्पताल में ऑक्सीजन लेवल कम होने से 12 मरीजों की हालत बिगड़ी, मचा हड़कंप

मेरठ। जिला अस्पताल में भर्ती 12 टीबी मरीजों का आक्सीजन लेवल कम होने से हालत बिगड़ गई। तीमारदारों ने मरीज की बिगड़ी हालत को देखते हंगामा किया। 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। सभी मरीजों को इमरजेंसी वार्ड में शिफ्ट कर इलाज शुरू किया गया, जिसके बाद मरीजों की हालत में सुधार हुआ।

मरीजों के तीमारदारों ने बताया टीबी वार्ड में रात में मरीजों को कोई इंजेक्शन दिया गया था। उस इंजेक्शन को लगाने के बाद ही मरीजों की हालत बिगड़ी है। मरीजों की सांसें फूलने लगीं। नौ मरी? टीबी वार्ड में और तीन मरी? अभी इमरजेंसी में भर्ती हैं।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि टीबी मरीजों को नया इंजेक्शन दिया गया था। शायद उसके कारण ऐसा हुआ, लेकिन सभी मरीजों की हालत पर काबू पाया जा चुका है। सब ठीक हैं। मरीजों ने बताया कि इंजेक्शन लगा था।

तो क्या प्रस्तावित विधेयक से घटेगा मुख्य चुनाव आयुक्त का रूतबा

सेक्रेटरी जैसी सेवा शर्तों का प्रावधन

नई दिल्ली, एजेंसी।

18 सितंबर से संसद का विशेष सत्र शुरू हो रहा है , जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा-शर्तों से जुड़ा एक विधेयक भी पेश होना है। चर्चा है कि नए विधेयक से मुख्य चुनाव आयुक्त का ओहदा केंद्रीय राज्यमंत्री से भी कम हो जाएगा। यह इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि अगर कैबिनेट मंत्री नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उसे चुनाव आयुक्त कितने प्रभावी तरीके से रोक पाएंगे?

सबसे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और टर्म ऑफ ऑफिस) विधेयक 2023 की मुख्य बातें जान लेते हैं.

नया कानून: 10 अगस्त 2023 को केंद्र सरकार ने राज्यसभा में ये विधेयक पेश किया गया था। अब संसद के विशेष सत्र के दौरान इसे सदन में लाया जाएगा। अगर ये विधेयक पारित होकर कानून बनता है तो ये इससे पहले के कानून ह्यचुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तें और कार्य संचालन की शर्तें) अधिनियम 1991Ö की जगह लेगा।

नियुक्ति: इस विधेयक के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त यानी उएउ और अन्य चुनाव आयुक्तों यानी एउ की नियुक्ति एक सिलेक्शन कमेटी के सुझाव पर राष्ट्रपति करेंगे।

सिलेक्शन कमेटी: इसमें तीन लोग होंगे- प्रधानमंत्री, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री जिसे पीएम ही नामित करेंगे। सिलेक्शन कमेटी को पांच लोगों के नाम शॉर्ट लिस्ट करके एक सर्च कमेटी देगी।

सर्च कमेटी: इसका नेतृत्व कैबिनेट सेक्रेटरी रैंक के अधिकारी करेंगे। इसमें दो अन्य सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी भी होंगे।

सेवा: नियुक्ति के दिन से अगले 6 साल तक या 65 साल की उम्र होने तक चुनाव आयुक्त अपने पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। चुनाव आयुक्त के पद के लिए कोई भी व्यक्ति सिर्फ एक बार नियुक्त हो सकेगा।

सैलरी, अलाउंस, सेवा शर्तें और दूसरी सुविधाएं: चीफ इलेक्शन कमिश्नर और अन्य इलेक्शन कमिश्नर की सैलरी, अलाउंस और दूसरी सुविधाएं कैबिनेट सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी के बराबर होंगी।

इस्तीफा: आयुक्त किसी भी समय राष्ट्रपति ऑफिस को एक रिजाइन लेटर भेजकर अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

पद से हटाने के नियम: मुख्य चुनाव आयुक्त यानी उएउ को उनके पद से हटाने का जिक्र आर्टिकल 324 के क्लॉज 5 में किया गया है। उएउ को उनके पद से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की तरह ही महाभियोग के जरिए हटाना संभव होगा।

चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तें और कामकाज का संचालन) अधिनियम, 1991 के मुताबिक इस समय चुनाव आयुक्तों का वेतन, भत्ता और बाकी सेवा शर्तें सुप्रीम कोर्ट के जजों के बराबर है।

क्या नए कानून से चुनाव आयुक्तों की शक्तियां कम हो जाएंगी?

इस कानून के बनने से शक्तियों और विशेषाधिकार में विशेष कमी आने की संभावना नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि चयन होने के बाद उएउ और एउ संविधान के अनुच्छेद-324 के तहत चुनावों का संचालन करते हैं। संविधान के प्रावधानों के अनुसार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयुक्तों को अनेक अधिकार दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वकील और इलेक्शन ऑन रोड्स के लेखक विराग गुप्ता के मुताबिक समिति के माध्यम से नियुक्ति होने पर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की विश्वसनीयता बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, उश्उ, उइक और एऊ चीफ की मुखिया की नियुक्ति में भी समिति का सिस्टम लागू होने के बावजूद विवाद बढ़ रहे हैं। इसलिए सिर्फ कानून या नियुक्ति की प्रक्रिया बनाने से चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कायम रखना मुश्किल काम है।

इसके लिए निष्पक्ष और योग्य लोगों का चयन करना होगा जो नेताओं के इशारों की बजाय संविधान के प्रावधानों के अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

क्या नए कानून से मुख्य चुनाव आयुक्त का दर्जा राज्य मंत्री से कम हो जाएगा?

राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी प्रोटोकॉल की नए नोटिफिकेशन के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के जज 9वीं और मुख्य चुनाव आयुक्त 9-ए रैंक पर हैं। दूसरी तरफ कैबिनेट मंत्री 7वीं रैंक और केंद्र सरकार के राज्यमंत्री 10वीं रैंक पर आते हैं। कैबिनेट सेक्रेटरी का दर्जा 11वीं रैंक पर है।

विराग गुप्ता के मुताबिक प्रस्तावित कानून की धारा-10 (1) के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त का वेतन, भत्ते और सेवा-शर्तें कैबिनेट सेक्रेटरी के दर्जे की रहेंगी, लेकिन प्रोटोकॉल में कोई बदलाव नहीं आएगा।

इसे ऐसे समझें कि भारत रत्न को सुप्रीम कोर्ट के जज से भी बड़ा ओहदा मिलता है, लेकिन उनके सैलरी और बाकी सुविधाओं को लेकर कोई सेवा शर्तें नहीं होती हैं। नए प्रस्तावित कानून में चुनाव आयुक्तों को नौकरी से निकालने के नियम सुप्रीम कोर्ट के जजों को नौकरी से निकालने के नियम के जैसा ही है। इसका मतलब ये है कि उनके प्रोटोकॉल पहले जैसे रहेंगे।

वहीं, पूर्व चुनाव आयुक्त एस. वाई कुरैशी ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में कहा है कि चुनाव आयुक्तों की सेवा शर्तों को कैबिनेट सेक्रेटरी के बराबर करना एक भूल है। पिछले सालों में सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त, मुख्य सतर्कता आयुक्त की सैलरी भी सुप्रीम कोर्ट के जजों की बजाय कैबिनेट सेक्रेटरी के बराबर की है। लेकिन, चुनाव आयुक्त एक संवैधानिक पद है जबकि सूचना आयोग और सतर्कता आयोग संवैधानिक निकाय नहीं है।

नीतीश-लालू गठबंधन तेल-पानी जैसा:शाह

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 16 सितंबर को झंझारपुर में रैली की। यहां उन्होंने नीतीश-लालू गठबंधन सरकार को निशाने पर लिया। -केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 16 सितंबर को झंझारपुर में रैली की। यहां उन्होंने नीतीश-लालू गठबंधन सरकार को निशाने पर लिया।

बिहार में मधुबनी के झंझारपुर में शनिवार 16 सितंबर को एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू-नीतीश पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- लालू-नीतीश गठबंधन तेल पानी जैसा है। दोनों लंबे समय तक एक साथ नहीं रह सकते। लालू को बेटे को सीएम बनाना चाहते हैं और हर बार की तरह नीतीश बाबू को प्रधानमंत्री बनना है।

अमित शाह ने 30 मिनट की स्पीच में 15 बार नीतीश कुमार, 14 बार लालू यादव का नाम लिया। साथ ही 6 बार लालू-नीतीश की सरकार और 12 बार पीएम नरेंद्र मोदी का नाम लिया।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने शाह को गदा देकर स्वागत किया।

अमित शाह ने लालू के जंगलराज की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़े बदलाव की जरूरत है। सरकार नहीं सुशासन चाहिए। गुंडाराज नहीं जनताराज चाहिए।

मैं रोज अखबार पढ़ रहा हूं। लालू जी एक्टिव हो गए...नीतीश जी इनएक्टिव हो गए। अब आप सोच सकते हैं, बिहार का क्या होने वाला है।

मोदी को लाइए, नहीं तो सीमांचल में घुसपैठ और आतंक ब? जाएगा। पलायन पर कहा कि तीन दशक से ज्यादा समय में जिन लोगों की सत्ता में भागीदारी रही है, वो ईमानदारी से काम कर लेते तो हमारे बच्चों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

बिहार विधानसभा चुनाव मोदी के चेहरे पर ही होगा। बिहार में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मोदी को ही जिताइए।

रेल मंत्री रहते हुए लालू जी ने अरबों का भ्रष्टाचार किया। ये क्रनाम के साथ नहीं आ सकते, इसलिए इन्होंने I.N.D.I.A गठबंधन नाम रखा। ये वही लालू प्रसाद यादव हैं, जिन्होंने बिहार को सालों तक पीछे धकेलने का काम किया।

» एम्स का मुद्दा उठाया

शाह ने कहा कि दरभंगा एम्स पर नीतीश बाबू बोलते रहते हैं, बहुत कम प्रदेश हैं जहां पर दो एम्स दिए गए हैं। मोदी जी ने पटना में एम्स दिया। 2020 दिसंबर में दरभंगा में दूसरा एम्स दिया।

नीतीश जी ने 81 एकड़ भूमि दे दी पहले मेडिकल कॉलेज के लिए, बाद में इसको वापस ले लिया। अगर नीतीश जी ने भूमि वापस ना ले ली होती तो आज यहां पर एम्स बन गया होता और यहां पर मरीजों का इलाज हो रहा होता।

छुट्टी रद्द करने पर भी किया सवाल

उन्होंने कहा कि लालू-नीतीश की सरकार ने फतवा जारी किया, बिहार में रक्षा बंधन और जन्माष्टमी की छुट्?टी नहीं होगी। बिहार की जनता ने विरोध जताया तो सरकार को फैसला वापस लेना प?ा। शाह ने बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के रामचरितमानस पर टिप्पणी को अपमानजनक कहा।

सम्राट चौधरी बोले-सभी 40 सीटें जीतेंगे

इससे पहले बिहार के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा।

पाकिस्तान को मिली पहली मिस यूनिवर्स कंटेस्टेंट

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ है जब उसे मिस युनिवर्स के लिए कंटेस्टेंट मिली है। इनका नाम एरिका रॉबिन है जो कराची की एक मॉडल हैं। पाकिस्तान की तरफ से मिस युनिवर्स की कंटेस्टेंट चुनने के लिए मालदीव के एक रिसोर्ट में इवेंट कराया गया था। हालांकि, इस पर खुशी जाहिर करने की बजाए पाकिस्तान की सरकार से लेकर वहां की इंटेलिजेंस एजेंसी तक इस जांच में जुट गई है कि ये कैसे संभव हो पाया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान की तरफ से मिस यूनिवर्स कंटेस्टेंट चुनने के लिए जो इवेंट हुआ उसकी सरकार से इजाजत नहीं ली गई थी। केयर टेकर प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकड़ ने पाकिस्तान के फॉरेन ऑफिस को इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वजह ये है कि जिस कंपनी ने इस इवेंट को कराया वो भी पाकिस्तान नहीं बल्कि श्व की है।

एरिका रॉबिन ईसाई परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

पाकिस्तान के सांसद बोले- ये शर्मनाक हरकत

एक तरफ जहां मिस यूनिवर्स की कंटेस्टेंट रोबिन एरिका ने लोगों को पाकिस्तान का खाना ट्राई करने और बर्फ से ढके पर्वतों जैसे खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठाने के लिए अपने देश आने का न्योता दिया। वहीं पाकिस्तान के कुछ सांसदों और धार्मिक नेताओं ने इसे शर्मनाक हरकत बताया है ।

इंटिलेजेंस ब्यूरो ने क्क को सौंपी रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तान को रिप्रेजेंट करने का लाइसेंस दुबई में बेस्ड एक कंपनी युजेन पब्लिशिंग ने हासिल किए थे।

कंटेस्ट में पार्टिसिपेट करने के लिए 200 एप्लीकेशन आए थे। वहीं, मिस यूनिवर्स की वेबसाइट के मुताबिक कोई प्राइवेट कंपनी भी मिस यूनिवर्स कंटेस्टेंट के लिए नाम भेज सकती है। इसके लिए किसी देश सरकार की इजाजत जरूरी नहीं होती है।

पाकिस्तान की केयर टेकर सरकार में मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पहले ट्विटर) पर लिखा कि पाकिस्तान और यहां की सरकार को केवल यहां के सरकारी संस्थान ही प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

हमारी तरफ कोई दूसरे प्राइवेट संस्थान या कंपनियां कोई फैसला नहीं ले सकती हैं। उन्होंने जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की है। वहीं, जमात ए इस्लामी के सांसद मुश्ताक अहमद खान ने सरकार से इस मामले में अपना स्टैंड क्लियर करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मिस यूनिवर्स कंटेस्ट में हिस्सा लेना पाकिस्तान की औरतों के लिए शर्मिंदगी की बात है।

भारत में बनाकर भारतीयों को ही महंगा बेच रहे, आईफोन 15 अमेरिका में 40% तक सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

ईद पर सलमान खान की मूवी और सितंबर में नए iPhone की रिलीज पिछले कुछ सालों से तय मानी जाती है। 12 सितंबर को iPhone 15 सीरीज लॉन्च के साथ ये सिलसिला जारी रहा। इस बार iPhone 15 भारत में भी असेंबल हो रहा है, इसलिए भारतीय ग्राहकों को कीमत घटने की उम्मीद थी। हालांकि एपल ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

उदाहरण के तौर पर...

» भारत में आईफोन 15 की कीमत 79,900 रुपए रखी गई है, जबकि अमेरिका में यही फोन 799 डॉलर (66,426 रुपए) में बिक रहा है।

» भारत में आईफोन 15 प्रो की कीमत 1,34,900 रुपए है, जबकि अमेरिका में यही मोबाइल 999 डॉलर (83,048 रुपए) में बिक रहा है।

» भारत में आईफोन 15 प्रो मैक्स (1 टीबी) वैरिएंट की कीमत 1,99,900 रुपए है, जबकि यही मोबाइल अमेरिका में 50त्न सस्ता यानी 1,32,717 रुपए का बिक रहा है।

» भास्कर एक्सप्लेनर में जानेंगे कि भारत में असेंबल होने के बावजूद आईफोन 15 की कीमतें अमेरिका और दुबई जैसे देशों के मुकाबले महंगी क्यों हैं, मोबाइल मैनुफैक्चरिंग में चीन के मुकाबले अभी हम कहां खड़े हैं...

» कैलिफोर्निया के कूपरटिनो स्थित एपल के ऑफिस में लॉन्चिंग इवेंट के दौरान आईफोन 15 प्रो का मुआयना करती एक महिला। (Photo: Apple.com)

» कैलिफोर्निया के कूपरटिनो स्थित एपल के ऑफिस में लॉन्चिंग इवेंट के दौरान आईफोन 15 प्रो का मुआयना करती एक महिला। (Photo: Apple.com)

» भारत में बनने के बावजूद आईफोन 15 यहां महंगा क्यों बिकता है?

आगे बढ़ने से पहले दो बातें समझनी जरूरी हैं। पहली- भारत में आईफोन 15 मैनुफैक्चर नहीं होता, सिर्फ असेंबल किया जाता है। आईफोन 15 के अलावा आईफोन 15 प्रो सीरीज की कोई डिवाइस भारत में असेंबल भी नहीं होती। ये पूरी तरह डिब्बा बंद होकर भारत में इंपोर्ट की जाती है।

आईफोन 15 प्रो मॉडल्स पूरी तरह तैयार पैक होकर इंपोर्ट किए जाते हैं। सरकार इन पर 22त्न इंपोर्ट ड्यूटी और 2त्न सोशल वेलफेयर सरचार्ज लगाती है। इस पर 18त्न जीएसटी भी लगता है। इस वजह से आईफोन 15 प्रो मॉडल्स पर भारत में कुल टैक्स मिलाकर करीब 40त्न हो जाता है।

आईफोन 15 का सिस्टम थोड़ा अलग है। इसके अलग-अलग पुर्जे इंपोर्ट किए जाते हैं और फिर इन्हें भारत में असेंबल किया जाता है। ताइवान की फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने चेन्नई के पास श्रीपेरंबदूर में एक प्लांट तैयार किया है, जहां आईफोन 15 असेंबल किया जाता है।

आईफोन 15 में लगने वाले सारे कंपोनेंट्स विदेशों से इंपोर्ट किए जाते हैं, जिस पर कस्टम ड्यूटी लगती है। मसलन- आईफोन का डिस्प्ले सैमसंग बनाती है, जिस पर 20% इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। इसके अलावा सर्किट बोर्ड, ट्रांजिस्टर्स, प्रोसेसर्स सभी पर इंपोर्ट ड्यूटी और उसके बाद 18त्न जीएसटी लगता है। ये सब मिलाकर फाइनल प्रोडक्ट की कीमत ज्यादा हो जाती है।

» जब भारत के ग्राहकों को सस्ता नहीं मिलेगा, फिर iPhone 15 की घरेलू असेंबलिंग का क्या फायदा?

एपल ने भारत में अभी आईफोन असेंबल करना शुरू ही किया है। अगले दो सालों में दुनिया का हर 5वां आईफोन भारत में बनाने का टारगेट है। आईफोन मैनुफैक्चरिंग के लिए एपल चीन+1 का अप्रोच चाहता है। वो इस दिशा में आगे भी बढ़ रहा है। भारत ने भी अपनी बाहें फैला रखी हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट स्पीच में मोबाइल कैमरा लेंस और लीथियम ऑयन बैट्री जैसे प्रोडक्ट्स पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाने की बात कही थी। आईटी हार्डवेयर के लिए भारत ने सेकेंड राउंड प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम भी जारी की है, जिसमें फॉक्सकॉन ने भी आवेदन किया है।

जनवरी 2023 में कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा था कि आईफोन का 5त्न से 7त्न निर्माण भारत में होता है। इसे 25त्न तक बढ़ाना है। इसके अलावा भारत के टाटा ग्रुप ने एपल के सप्लायर विस्त्रों कॉर्प्स के साथ एक डील की है। पहली बार कोई देसी कंपनी आईफोन असेंबल करना शुरू करेगी। इन सभी डेवलपमेंट का असर आने वाले सालों में आईफोन की कीमत पर देखने को मिल सकता है।

फॉक्सकॉन के श्रीपेरंबदूर स्थित फैक्ट्री में काम करती फीमेल वर्कर्स। इसी प्लांट में आईफोन 15 की एडवांस असेंबलिंग की गई है।

चीन के मुकाबले मोबाइल मैनुफैक्चरिंग में हम कहां खड़े हैं?

आईफोन्स पहली बार भारत में मई 2017 में बनाए गए थे, लेकिन वो पुरानी सीरीज के फोन थे। इस साल फॉक्सकॉन के चेन्नई प्लांट ने पिछले महीने ही iPhone 15 बनाना शुरू कर दिया है। इससे भारत ने चीन के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग की दावेदारी पेश कर दी है।

भारत में फिलहाल सिर्फ आईफोन 15 यानी बेस वर्जन ही असेंबल किया गया। प्रो सीरीज के मोबाइल अभी भी बाहर ही असेंबल किए जाते हैं। इसकी बड़ी वजह सप्लाई चेन है।

चीन में पहले से ही एपल के पार्टनर और वेंडर मौजूद हैं, जिससे वहां बनाना सस्ता और सुविधाजनक पड़ता है। भारत इस सेक्टर में अभी नया है, लेकिन शुरुआत हो चुकी है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगले 2-3 सालों में भारत पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर लेगा।

सार-समाचार

औपचारिक दिशानिर्देशों से वयस्क टीकाकरण को बढ़ाने में मिलेगी मदद : सर्वेक्षण

रायपुर। द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया और इप्सोस ने हाल ही में 16 शहरों में 50 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों उनकी देखभाल करने वालों और डॉक्टरों के बीच वयस्क टीकाकरण के बारे में एक महत्वपूर्ण सर्वे किया है। सर्वेक्षण से पता चला है कि वयस्क टीकाकरण की दर आखिर क्यों कम है। भारत में वयस्क टीकाकरण सर्वेक्षण से पता चलता है कि 50 वर्ष या इससे अधिक आयु के 71प्रतिशत लोग वयस्क टीकाकरण के बारे में जानते हैं, लेकिन इनमें से केवल 16प्रतिशत ने ही कोई वयस्क टीका लिया है। मरीजों और डॉक्टरों ने कम टीकाकरण के लिए अलग-अलग कारण बताए हैं। लाइफ्वर्द हॉस्पिटल रायपुर के सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन और द एसोसिएशंस ऑफ फिजिशयंस ऑफ इंडिया, रायपुर चैप्टर के चेयरमैन डॉ. अरुण केडिया ने कहा, सर्वे में सामने आया है कि वयस्क टीकाकरण के बारे में जानकारी एवं प्रयासों के बीच के अंतर को पाटने की जरूरत है। इस दिशा में पहला कदम है वयस्क टीकाकरण को लेकर औपचारिक दिशानिर्देश तैयार करना। इससे जरूरी व्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि मरीजों, उनकी देखभाल करने वालों और डॉक्टरों के बीच वयस्क टीकाकरण को लेकर बात हो। लोगों को टीकाकरण से रोकी जा सकने वाली शिंगल्स जैसी बीमारियों के प्रभावों के बारे जागरूक करने की जरूरत है। ये बीमारियां व्यापक रूप से फैल रही हैं और देशभर में वयस्कों को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए उन्हें समझाना होगा कि टीकाकरण के माध्यम से इनसे बचाव हो सकता है और इस समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश डॉक्टरों का कहना है कि औपचारिक दिशानिर्देशों की कमी के कारण रोगियों में टीकाकरण के प्रति रुचि और इसे अपनाने में कमी आती है। डॉक्टर भी अपने मरीजों के साथ वयस्क टीकाकरण पर चर्चा करने में झिझकते हैं क्योंकि उनके पास समय की कमी होती है और उन्हें यह भी लगता है कि मरीज लागत की वजह से बीमारी की रोकथाम करने की बजाय जल्द उपचार कराना चाहते हैं। इसलिए डॉक्टरों का मानना है कि मरीज टीकाकरण की सिफारिशों के प्रति कम उत्सुकता दिखाते हैं। वहीं मरीजों का कहना है कि उन्हें अपने डॉक्टरों से टीकाकरण के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं मिलती है, इसलिए उन्होंने सक्रिय रूप से वयस्क टीकाकरण नहीं कराया है। 50 प्रतिशत या इससे अधिक आयु के 69 प्रतिशत लोग और उनकी देखभाल करने वाले डॉक्टरों से वयस्क टीकाकरण के बारे में नहीं पूछते क्योंकि उनका मानना है कि यदि उन्हें इसकी आवश्यकता होगी, तो उनके डॉक्टर खुद इसकी सिफारिश करेंगे। इस बारे में पूछे जाने पर कि वयस्क टीकाकरण में सुधार कैसे किया जाए, तो वयस्क उत्तरदाताओं और उनकी देखभाल करने वालों ने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण जागरूकता के लिए लागू किए गए उपाय वयस्क टीकाकरण को अपनाने में वृद्धि कर सकते हैं।

एचटेक ने भारत में ऑनर90 5जी पेश किया; आरामदायक व्यूइंग और रचनात्मक स्वतंत्रता के नए मानक स्थापित किए

रायपुर। विस्तृत समाधान प्रदाता, एचटेक ने आज भारत में ऑनर90 5जी का लॉन्च किए जाने की घोषणा की। इसमें एआई वीलॉग मास्टर के साथ 200 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा और 3840 हट्र्ज़ की पीडब्लूएम डिमिंग टेक्नोलॉजी के साथ उद्योग का अग्रणी क्वाड-कर्व्ड फ्लोटिंग डिस्प्ले है। ऑनर90 5जी में आज की हमेशा सक्रिय रहने वाली जनरेशन को व्यक्तिगत अनुभव देने के लिये अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर दोनों एक ही डिवाइस में दिये गये हैं। इस लॉन्च के बारे में एचटेक के सीईओ, श्री माधव शेठ ने कहा, एचटेक में हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भर परिवेश के साथ एक मजबूत ब्रांड वापस लाने की उपलब्धि के लिए उत्साहित हैं। उपभोक्ताओं को अग्रणी टेक्नोलॉजी प्रदान करने पर केंद्रित रहते हुए ऑनर लगातार डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, बैटरी टेक सॉफ्टवेयर और आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस में इनोवेशन लाने की ओर काम कर रहा है, जो सशक्त अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं पर आधारित हैं। ऑनर के मजबूत नेटवर्क और वैल्यू चेन का उपयोग करके हम ऑनर 90 5जी के साथ भारत में अपना पहला स्मार्टफोन लॉन्च कर रहे हैं। 200 मेगापिक्सल के अल्ट्रा-क्लियर कैमरा, एआई वीलॉग मास्टर और जीरो रिस्क आई-कम्फर्ट डिस्प्ले जैसे श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ इनोवेशंस एवं अत्याधुनिक एआई टेक्नोलॉजीज के साथ यह हैंडसेट स्मार्टफोन फोटोग्राफी और डिस्प्ले टेक्नोलॉजी के एक नये युग की शुरुआत कर रहा है। इसमें उन्नत टेक्नोलॉजी के साथ सॉफ़िस्टिकेटेड डिज़ाइन है, जो पूरी तरह से व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करता है। भारत में अपना रोमांचक सफ़र शुरू करते हुए हमें विश्वास है कि यूज़र्स ऑनर के इन बेहतरीन उत्पादों को बहुत पसंद करेंगे। ऑनर के साथ अपने सहयोग के बारे में रंजीत बाबू, डायरेक्टर, वायरलेस एंड टीवी, अमेज़न इंडिया ने कहा, अमेज़न में हम एचटेक द्वारा ऑनर की भारत में वापसी के लिए बहुत उत्साहित हैं, और हमें विश्वास है कि ऑनर 90 कई स्मार्टफ़ोंस में सर्वश्रेष्ठ बन जाएगा, जिससे ऑनर टेक को भारत में लोकप्रिय स्मार्टफ़ोन ब्रांड बनने में मदद मिलेगी। शक्तिशाली परफ़ॉर्मेंस, स्लीक डिज़ाइन, और सबसे अच्छे कैमरा सेटअप के साथ हमें विश्वास है कि ऑनर 90 उद्योग में हलचल मचा देगा। आज के लॉँच के साथ हम भारत के पसंदीदा ऑनलाइन ई-कॉमर्स बाज़ार में अपना संग्रह और ज़्यादा मज़बूत कर रहे हैं, और त्योहारों की तैयारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

सरोना परीक्षित विश्वकर्मा समाज द्वारा भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई गई

अशोक जैन संभागीय ब्यूरो की रिपोर्ट

कांकेर। सरोना परिक्षेत्र विश्वकर्मा समाज द्वारा अपने सामाजिक भवन सरोना में एकत्र होकर शिल्प के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती के मौके पर मूर्ति स्थापित कर धूमधाम से विशेष पूजा पाठ का आयोजन किया गया द्य लोहे आदि की दुकाने, वर्कशाप व घरों में मशीनों की भी पूजा अर्चना की गई एवं विश्वकर्मा समाज के द्वाराअपनी समाज के नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए खेलकूद का आयोजन किया गया था एवं रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया विजेताओं को समाज के द्वारा पुरस्कार दिया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांकेर विधानसभा से अधिकृत भाजपा प्रत्याशी आसाराम नेताम अध्यक्षता सरोना परिक्षेत्र अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा विशेष अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार विश्वकर्मा माखन विश्वकर्मा छेरका राम विश्वकर्मा रामप्रसाद विश्वकर्मा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजय कुमार विश्वकर्मा के कर कमलो से संपन्न हुआ इस अवसर पर अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की गई इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांकेर विधानसभा भाजपा प्रत्याशी आसाराम नेताम ने भगवान विश्वकर्मा के सम्बन्ध में विस्तार से बताते हुये कहा कि स्वर्ग लोक से द्वारिका तक के रचयिता भगवान विश्वकर्मा को कहा गया हैं द्य भगवान विश्वकर्मा की जयंती हर वर्ष 17 सितम्बर को पुरे भारत के हर जगह में मनाया जाता हैं उन्होंने कहा कि इनकी पूजा से जीवन में कभी भी सुख समृद्धि की कमी नहीं रहती द्य साथ ही कामकाज में आने वाली अडचने भी दूर हो जाती हैं द्य इनकी पूजा करने से रोजगार व बिजनेस में तरक्की मिलती हैं द्य धार्मिक मान्यतानुसार भगवान विश्वकर्मा को देवताओ का शिल्पी भी कहा गया हैं वे निर्माण व सृजन का देवता हैं इनको संसार के पहले इंजिनियर और वास्तुकर भी कहा गया हैं द्य आसाराम नेताम ने विश्वकर्मा समाज जनों से अपील की कुछ माह बाद विधानसभा चुनाव है मैं आप लोगों से अपेक्षा रखता हूं कि विधानसभा चुनाव में आप लोग भाजपा को वोट देंगे कार्यक्रम का संचालन भोला विश्वकर्मा ने किया एआभार माखन विश्वकर्मा ने किया इस अवसर पर रामप्रसाद विश्वकर्मा दीपक विश्वकर्मा पोथन विश्वकर्मा इदू विश्वकर्मा सूरज विश्वकर्मा नागेश्वर विश्वकर्मा टीकू विश्वकर्मा मोशिका विश्वकर्मा सुखमन विश्वकर्मा चमन राम जगदेव सगनु कथा राम हरी राम लखन कीर्तन राजेश सुमित्रा विश्वकर्मा रेखा कामिनी अनुराधा मनीषा चंद्रिका विश्वकर्मा एवं भारी संख्या में समाज जन उपस्थित थे

जयनगर में बिंझिया समाज के अनुसूचित जनजाति में शामिल होने पर महारैली के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर - जिले के जयनगर में बिंझिया समाज के द्वारा क्षेत्रीय महासम्मेलन,महारैली के साथ संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, महारैली में जयनगर साप्ताहिक बाजार से जयनगर बरपारा बिंझिया सामुदायिक भवन तक लगभग 1 किलोमीटर रैली किया गया जिसमें डीजे, रंगगुलाल पटाखे के साथ सामाज से हजारों लोग धूमधाम के साथ महारैली में शामिल हुए, जिसमे सरगुजा संभाग के अनेकों गांव सहित कोरबा,भटगांव, कलुआ, डबरा सहित छत्तीसगढ़ के अनेकों जगह से बिंझिया अनुसूचित जनजाति के लोग उपस्थित रहे, सबसे पहले मां सरस्वती के छायाचित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, इस दौरान अतिथि के रूप में छत्तीशगढ़ शासन के पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा रहे, तथा विशिष्ट अतिथि का बिंझिया समाज के कार्यकर्ताओं के द्वारा फूल माला के साथ स्वागत किया गया, साथ में मुख्य अतिथि के रूप में बिंझिया जाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष भुवाल सिदार, राष्टीय उपाध्यक्ष जगरनाथ पुष्प,राष्ट्रीय सचिव हरदेव सिरदार, सलाहकार दिलीप सिरदार, अनिल सिदार, भारत गुरुजी,देवनारायण सिरदार, राष्टीय प्रवक्ता विजय सिरदार,तपेश्वर राम,क्षेत्रीय अध्यक्ष बुझन राम,युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिरदार ,कैलाश सिरदार, बंधु राम, ठेपाराम,रहे, साथ में मुख्य अतिथियों का भी फूल माला के साथ कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया गया, इस बीच समाज की ओर से आतिशबाज़ी व रंग गुलाल के साथ खुशी जाहिर किया गया, साथ में छोटे छोटे बच्चो के कई छत्तीसगढ़ी गाना पर सांस्कृतिक कार्यक्रम दिया गया जिसमें मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि, सहित समाज के सभी लोगों का मन परफुल्लित हो गया,सबसे पहले कार्यक्रम के उद्बोधन में छोटे छोटे बच्चों के द्वारा स्वागतम स्वागतम गीत की शुरुआत की गई, इस बीच मुख्य अतिथि के द्वारा बताया गया कि आप सभी में इतना ज्यादा एकता देखकर मेरा मन खुश हो गया, बिंझिया राष्ट्रीय सचिव के कहां गया कि आप सभी जागरूक बने वहीं क्षेत्रीय बिंझिया समाज के अध्यक्ष बूझन सिरदार के द्वारा बताया गया कि हम बिंझीया लोग पहले से आदिवासी थे,आज से नहीं कई युग से आदिवासी थे।

इस दौरान शंकर गवंटिया,लाल बहादुर, तनंग राम,राजेंद्र प्रसाद,गीताराम, देवधन,सुरेश कुमार,देवशरण सिंह,कृष्णपाल,सपुरण राम,प्रकाश राम,ब्रह्मदेव,बसंत राम,शंभू राम,भरत सिदार, दुबराज,तेजाराम,विरेंद्र कुमार,विजय सरपंच,सिया राम,पनिक,पातर साय,पिंटू,भोज,जीरो बाई,शिवकुमारी,अगासो बाई,इंद्रावती सिंह,उनती बाई,देवती बाई, छप्पन देव, कुंभकरण,पातर साय,बीरसाय, रामअवतार,विनोद,चंद्रेश,किरणचंद, कमल साय,नोहर साय ,सोमारू राम, देवसाय, संतूराम,आलम साय, जूठन राम,संजय सिरदार,अजय,बल्ली,धनपत राम वीरेंद्र राम,भोलाराम,उपेंद्र,इंद्रावती कुंवारों बाई, राजेश्वर प्रसाद,सितेश राम सिरदार,हरी प्रसाद सहित हजारों बिंझिया समाज के लोग वह कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्रोमा पर, 15 सितंबर से 79,900 की शुरुआती कीमत पर आईफोन 15 सीरीज की पहले-पहल प्री-बुकिंग करें!

नईदिल्ली। क्रोमा स्टोर्स पर सिर्फ 2,000 रुपये में आईफोन 15 सीरीज की प्री-बुकिंग करें और 24 महीने तक के लिए नो-कॉस्ट ईएमआई और डिलीवरी के दिन पूरा भुगतान करने पर और अधिक ऑफर्स एवं छूट का लाभ उठाएं। भारत में एप्पल की नवीनतम आईफोन 15 सीरीज के आने के साथ, तकनीकी विशेषज्ञों और मोबाइल फोन के शौकीनों को काफी खुशी मिल सकती है। क्रोमा के साथ, 15 सितंबर 2023 से क्रोमा स्टोर्स और croma.com पर बहुप्रतीक्षित आईफोन 15 सीरीज की पहले-पहल प्री-बुकिंग करें। क्रोमा पर 22 सितंबर 2023 से न्यूफेरिया आईफोन 15 सीरीज़, एप्पल वॉच सीरीज़ 9 और ऐप्पल वॉच अल्ट्रा 2 सभी उपलब्ध होंगे। पहली बार, मुंबई, पुणे और सूरत के सभी ग्राहकों द्वारा 15 सितंबर से 18 सितंबर, 2023 के बीच के शुरुआती चार दिनों में क्रोमा स्टोर्स और ष्ह्श्द्वड्ढ.ष्श्द्व से अपने आईफोन 15 सीरीज की प्री-बुकिंग करने पर, क्रोमा द्वारा कॉर्डिला क्रूज़ पर क्रोमा क्रूज़ कंट्रोल 4.0 के टिकट जीतने का दुर्लभ मौका दिया जा रहा है। प्री-बुकिंग 21 सितंबर 2023 तक सभी स्टोर्स और वेबसाइट पर खुली रहेगी। क्रोमा स्टोर्स सेल डे, 22 सितंबर 2023 को सुबह 8 बजे खुल जाएंगे

एक अन्य विशेष प्री-बुकिंग लाभ चुनिंदा शहरों में क्रोमा द्वारा प्रदान की जाने वाली एक्सप्रेस डिलीवरी है, जो किसी भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर के पास उपलब्ध नहीं है। ग्राहक एक्सप्रेस डिलीवरी विकल्प के माध्यम से नवीनतम आईफोन 15 सीरीज और ऐप्पल वॉच सीरीज़ 9 एवं ऐप्पल वॉच अल्ट्रा 2 को प्री-बुक कर सकते हैं और चुनिंदा शहरों में क्रोमा से शीघ्र पहुंच के साथ नवीनतम आईफोन प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति बन सकते हैं। ग्राहक को प्री-बुक किए गए उत्पाद 22 सितंबर 2023 को प्राप्त हो जाएंगे। आईफोन 15 सीरीज़ नए कंटूर एज डिज़ाइन और आकर्षक रंगों में उपलब्ध है; आईफोन 15 और आईफोन 15 प्लस ब्लैक, ग्रीन, पिंक, येलो एवं ब्लू रंगों में उपलब्ध होंगे, और आईफोन 15 प्रो और प्रो मैक्स अपने बिल्कुल नए टाइटेनियम फिनिश में नैचुरल टाइटेनियम, ब्लू टाइटेनियम, ब्लैक टाइटेनियम रंगों में उपलब्ध होंगे। प्री-बुकिंग के लिए सभी वेरिएंट क्रोमा पर उपलब्ध होंगे। क्रोमा में 79,900* रुपये से शुरू होने वाली आईफोन 15 सीरीज की प्री-बुकिंग करके विभिन्न फाइनेंस स्कीम्स के साथ इन नवीनतम सुविधाओं का लाभ उठाएं, जिनमें 24 महीने तक नो-कॉस्ट ईएमआई, क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर विभिन्न प्रमुख बैंक ऑफर्स, ?6,000* तक के एक्सचेंज लाभ, और 5,000* रुपए तक के कैशबैक ऑफर शामिल हैं। अपने ग्राहकों के लिए खरीदारी के अनुभव को सहज बनाते हुए, क्रोमा नवीनतम आईफोन 15 सीरीज की प्री-बुकिंग करते समय चुनिंदा एप्पल एक्ससेसरीज, एप्पलकेयर+ और प्रोटेक्ट+ प्लान पर फ्लैट 10त्न* की पेशकश भी कर रहा है। क्रोमा ने पूरे एप्पल इकोसिस्टम को एक छत के नीचे लाया है, स्टोर में काफी जानकार क्रोमा विशेषज्ञ खरीदारी में सहायता करने के लिए मौजूद हैं ताकि भलीभांति सोच-विचारकर निर्णय लेने में मदद मिल सके, और ग्राहक की जरूरतों के अनुसार उपयुक्त सर्वोत्तम सौदे और ऑफ़र्स उपलब्ध हैं।

द बिग बिलियन डेज से पहले फ्लिपकार्ट के सेलर्स की संख्या 14 लाख के पार पहुंची

रायपुर। अपने सालाना फ्लैगशिप इवेंट द बिग बिलियन डेज के 10वें संस्करण से पहले फ्लिपकार्ट ने अपने प्लेटफॉर्म पर 14 लाख से अधिक सेलर्स को जोड़ने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पिछले साल की तुलना में प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं की संख्या में 27 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ यह उपलब्धि देश में विक्रेताओं एवं एमएसएमई के मजबूत हो रहे इकोसिस्टम को दर्शाता है। यह उस भरोसे का प्रमाण है जो अपने व्यवसाय को डिजिटल एवं आधुनिक बनाने बाजार में पहुंच का विस्तार करने और आय में सुधार के लिए ई-कॉमर्स की ताकत का लाभ उठाने के लिए विश्वसनीय भागीदार के रूप में शॉप्सी एवं फ्लिपकार्ट पर भारतीय एमएसएमई, छोटे कारोबारियों एवं उद्यमियों ने जताया है। विक्रेताओं की संख्या को लेकर इस उपलब्धि पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा फ्लिपकार्ट में हम भारतीय कारोबारियों विशेष रूप से एमएसएमई के लिए ई-कॉमर्स के माध्यम से अवसर सृजित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमने कारीगरों, शिल्पकारों, महिलाओं और दिव्यांगों समेत सेलर्स के विस्तृत वर्ग के लिए ई-कॉमर्स को अधिक समावेशी बनाने में मदद के लिए अपने फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम के माध्यम से कई कदम उठाए हैं। हम लाखों नई नौकरियाँ पैदा करते हुए डिजिटल अर्थव्यवस्था द्वारा मिलने वाले अवसरों में देशभर के विक्रेताओं की भागीदारी से प्रोत्साहित हैं। हमें इस सफर में योगदान देने पर बेहद गर्व है। इस उपलब्धि पर फ्लिपकार्ट के वाइस-प्रेसिडेंट एवं हेड मार्केटप्लेस राकेश कृष्णन ने कहा फ्लिपकार्ट भारतीय एमएसएमई के लिए एक अत्याधुनिक ई-कॉमर्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। त्योहारी सीजन की ओर बढ़ते हुए हम इनोवेटिव टूल्स और इनीशिएटिव के माध्यम से सेलर्स को सफलता दिलाने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध हैं 14 लाख विक्रेताओं को जोड़ना हमारी सेलर कम्युनिटी में समावेश एवं सहूलियत को बढ़ाने के लिए फ्लिपकार्ट के समर्पण को रेखांकित करता है। सेलर्स का सहयोग करने और सशक्त बनाने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता के तहत ही हमने हाल ही मे ऑल इंडिया सेलर्स कॉन्क्लेव की एक सीरीज का समापन किया है, जिसमें 4,500 से अधिक सेलर्स की भागीदारी देखी गई।'

भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का धूमधाम से किया गया आज विसर्जन

अशोक जैन संभागीय ब्यूरो रिपोर्ट

कांकेर। सरोना में राज मिस्त्री रेजा कुली एकता यूनियन के द्वारा आज भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति का पूजा पाठ एवं आरती के पश्चात देवतालाब सरोना में डीजे की धुन में नाचते पूरे ग्राम में शोभा यात्रा निकाली गई एवं देवतालाब में विसर्जन किया गया रविवार को

सरोना में राजमिस्त्री रेजाकुली एकता ब्लॉक यूनियन द्वारा मंडी परिसर सरोना में वास्तु और शिल्प के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती के मौके पर मूर्ति स्थापित कर धूमधाम से विशेष पूजा पाठ का आयोजन किया गया द्य वही पैण्डालो के अलावा लोहे आदि की दुकाने, वर्कशाप व घरों में मशीनों की भी पूजा अर्चना की गई द्य वही राजमिस्त्री रेजाकुली एकता यूनियन के द्वारा रविवार को रात्रि कालीन झांकी का कार्यक्रम रखा गया था कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य तारा ठाकुर अध्यक्षता सागर साहू विशेष अतिथि के रूप में सरपंच सूरज को राम भरत निषाद ग्राम पटेल मोहन नेताम सुरेश साहू ग्राम समिति अध्यक्ष अजय हिरवानी उप सरपंच पुष्कर साहू के कर कमलो से संपन्न हुआ इस अवसर पर अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की गईतब पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य तारा ठाकुर ने भगवान विश्वकर्मा के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्ग लोक से द्वारिका तक के रचयिता भगवान विश्वकर्मा को कहा गया हैं द्य भगवान विश्वकर्मा की जयंती हर वर्ष 17 सितम्बर को पुरे भारत के हर जगह में मनाया जाता हैं उन्होंने कहा कि इनकी पूजा से जीवन में कभी भी सुख समृद्धि की कमी नहीं रहती द्य साथ ही कामकाज में आने वाली अडचने भी दूर हो जाती हैं द्य इनकी पूजा करने से रोजगार व बिजनेस में तरक्की मिलती हैं द्य धार्मिक मान्यतानुसार भगवान विश्वकर्मा को देवताओ का शिल्पी भी कहा गया हैं वे निर्माण व सृजन का देवता हैं इनको संसार के पहले इंजिनियर और वास्तुकर भी कहा गया हैं इस अवसर जितेन साहू रामकुमार साहू रुपेश यादव छेडु राम कुंजाम आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला

रायपुर। उरला के देशी शराब दुकान के पीछे युवक पर चाकू से हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी महेश महिलांग 24 वर्ष सतनाम चौक उरला का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी राजू साहू और सुनील पाल ने पुराना झगड़ा की बात को लेकर अमन बंजारे 22 वर्ष पर चाकू से हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाया। जिससे अमन को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामले में उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 307, 34 केतहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

लाखों रुपए का सरिया लेकर ट्रक चालक फरार

रायपुर। लाखों रुपए का सरिया लोड कर ट्रक चालक लापता हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफअमानत में ख्यानत का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुनील शर्मा 59 वर्ष टाटीबंध आमानाका का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी जेटीएल कंपनी उरला में कार्यरत है। वहां से ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेडी 4698 के चालक ने ट्रक में 15 लाा 22 हजार 40 रुपए का सरिया लोड कर बेंगलोर के लक्ष्मी स्टील के लिए रवाना हुआ था, जो आज तक अपने गंतव्य स्थान पर नहीं पहुंच पाया है। मामले में पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

पैसे के विवाद पर दो पक्ष भिड़े

रायपुर। रामजानकी मंदिर के पास संजयनगर में बिजली बिल के पैसे की विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थिया जया साहू 32 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि बिजली बिल के पैसा की बात को लेकर आरोपी रेशमा साहू व रिषि साहू ने प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थिया रेशमा साहू 31 वर्ष ने थाना में शिकायत किया।

ट्रक में लोड माल को बेचकर चालक व हेल्पर फरार

रायपुर। ट्रक में लोड स्पंज आयरन को चालक व हेल्पर ने बेच दिया और ट्रक को छोड़कर भाग निकला। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रमन दीप 30 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि राउलकेला से ट्रक क्रमांक सीजी 04 एलपी 8777 से चालक व हेल्पर 7 लाख का स्पंज आयरन लेकर गोगांव के पंकज इस्पात के लिए निकला था। जिससे चालक व हेल्पर ने लोड स्पंज आयरन को बेच दिया और खाली ट्रक को कंपनी के सामने खड़ी कर भाग निकले। प्रार्थी की शिकायत पर गुढियारी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 381, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

नहर पार में खड़ी बाइक पार

रायपुर। ग्राम बनरसी नहर के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राहुल शाह 32 वर्ष शारदा विहार कालोनी माना का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एच 0762 को बनरसी नहर पार के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 35 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

हजारों रुपए के एल्यूमिनियम पार

रायपुर। रिंग रोड नंबर 2 कबीरनगर स्थित वेस्टन केरियर्स के पास रखे 57 नग एल्यूमिनियम एंगोट को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रंजीतत महापुरा 34 वर्ष वसुंधरा नगर चंगोराभाठा का रहने वाला है। बताया जाता है कि रिंग रोड नंबर 2 कबीरनगर स्थित वेस्टन केरियर्स के पास रखे 57 नग एल्यूमिनियम एंगोट को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 95 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

सरेआम शराब पीते 13 पकड़ाए

रायपुर। राजधानी पुलिस ने सरेआम शराब पीते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार आमानाका पुलिस ने हाइवे फेमिली ढाबा के पास सरेआम शराब पीते आरोपी अनील तलरेजा 52 वर्ष, काशी साहू 42 वर्ष व राजकुमार चौहान 38 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह गंज पुलिस ने आरोपिया मीना दुबे 50 वर्ष, नीतीश कुमार दुबे 31 वर्ष व हरिओम गुज्जर 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

बगावती नेताओं पर एक्शन शुरू

विधायक शर्मा के खिलाफ बोलने पर रायपुर के कांग्रेस पार्षद को नोटिस....

रायपुर/ संवाददाता

चुनाव में कुछ महीने ही बचे हैं और इससे पहले कांग्रेस में नेताओं के बगावती तेवर सामने आ रहे हैं। बगावत के बवाल से बचने के लिए कांग्रेस पार्टी ने ऐसे नेताओं पर कार्यवाही की रणनीति तैयार की है। रायपुर के एक पार्षद नागभूषण राव को इसी वजह से कारण बताओ नोटिस थमा दिया गया है। वहीं बेमेतरा में तो एक पुराने कांग्रेस नेता सौरभ निर्वाणी को पार्टी से निकाल भी दिया गया। पहला मामला रायपुर का है कांग्रेस पार्षद नागभूषण राव को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। नाभूषण राव ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर विधायक सत्यनारायण शर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर दिया था। मामला कुछ दिन पहले का है, अपने क्षेत्र में पट्टा देने वाली सर्वे लिस्ट से सैकड़ों गरीब परिवारों का नाम हट जाने का विरोध करते हुए राव ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया था। कांग्रेस पार्टी के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदु ने यह नोटिस जारी किया है । नोटिस

में लिखा है कि राव ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक और वरिष्ठ नेता सत्यनारायण शर्मा के विरुध्द अनर्गल टिप्पणी किये जाने की जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संज्ञान में आया है, जिसे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने गंभीरता से लिया है। वरिष्ठ विधायक के विरूध्द की गयी टिप्पणी अनुशासनहीनता की परीधि में आता है। प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार कारण बताओं नोटिस जारी किया जाता है। जारी नोटिस का लिखित जवाब / स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के 3 दिवस के भीतर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देनी होगी । नोटिस मिलने के बाद दैनिक भास्कर से बात करते हुए कांग्रेस पार्षद नागभूषण राव का कहना है कि मैंने कोई भी टिप्पणी अपने विधायक के खिलाफ नहीं की। मुझे कारण बताओं नोटिस मिला है 3 दिन के अंदर में इसका स्पष्टीकरण अपनी पार्टी को सौंपुंगा। पार्टी की ओर से जो पत्र प्राप्त हुआ है उसमें वरिष्ठ विधायक पर टिप्पणी का जिक्र है मैंने अपना विधायक के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। सकारात्मक रूप से इस पूरी घटना की जानकारी अपनी पार्टी को दूंगा । वो पूरा मुद्दा जनता की मुद्दा था मैं ऐसे ही मुद्दे अपने क्षेत्र में लगातार उठाता रहूंगा । दरअसल इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है रायपुर ग्रामीण सत्यनारायण शर्मा की सीट मानी जाती है यानी कि कांग्रेस का गढ़ माना जाता है ऐसे में सत्यनारायण शर्मा ने अपने बड़े बेटे पंकज शर्मा को टिकट दिया जाए इसकी मांग की है । पंकज शर्मा के नाम को लेकर लगातार रायपुर ग्रामीण के नेता विरोध कर रहे हैं । रायपुर ग्रामीण सीट पर लंबे समय तक राजनीति करने वाले कई वरिष्ठ नेता हैं जो पंकज शर्मा के नाम के खिलाफहैं नागभूषण राव भी उन्हीं में से एक माने जाते हैं संगठित कामगार-कर्मचारी कांग्रेस (च्यष्ट) में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बेमेतरा के सौरभ निर्वाणी को कांग्रेस ने निकाल दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री मलकीत गेंदु द्वारा इसका रविवार को आदेश जारी कर दिया गया है। निर्वाणी को एक साल के लिए पार्टी से निष्काषित किया गया है।

रायपुर में पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू तीन लाख तक मिलोगा लोन

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना रायपुर में शुरू कर दी गई। भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ की ओर से ये कार्यक्रम रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में हुआ। यहां बतौर मुख्य अतिथि केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री रेणुका सिंह सरूता और रायपुर के लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील सोनी पहुंचे। रायपुर से विधायक श्री बृजमोहन अग्रवाल, बीरगांव नगर निगम के महापौर श्री नंदलाल देवांगन, ट्रायफेड की प्रबंध निदेशक गीतांजलि गुप्ता और रायपुर के कलेक्टर डॉक्टर सर्वेश्वर नरेंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे । कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं के कारीगर भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। रेणुका सिंह ने कहा कि हमने पारंपरिक कामों को छोड़ दिया है और उन पारंपरिक कामों को बढ़ावा देने के लिए ही पीएम विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की जा रही है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के शिल्पकारों और कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं । केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज शुरू हुई पीएम विश्वकर्मा योजना से न सिर्फ शिल्पकारों- कारीगरों का सम्मान बढ़ेगा बल्कि उनकी आजीविका के अवसर बढ़ेंगे और उनका भविष्य उज्जवल होगा । उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक सहायता दी जाएगी । योजना के पहले चरण में स्थानीय प्रशासन और बैंकों के सहयोग से कामगारों को 5ब ब्याज दर से एक लाख रुपए का लोन मिलेगा, जिससे व्यवसाय के लिए जरूरी पूंजी की आवश्यकता पूरी होगी । उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत कारीगरों और शिल्पकारों को ट्रेनिंग भी मिलेगी । योजना के तहत लाभार्थियों को टूलकिट और स्टाइपेंड भी दिए जाएंगे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रायपुर लोकसभा क्षेत्र से श्री सांसद सुनील सोनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए हमारे कारीगरों एवं शिल्पकारों का सशक्त होना आवश्यक है ।

चालक को लूटने वाले दो लूटेरे गिरफ्तार,लूट की रकम बरामद

रायपुर। संवाददाता

मंदिर हसौद थानाक्षेत्र में दो दिनों पूर्व एक ट्रक चालक व हेल्पर को लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उनके पास से लूट की रकम बरामद की है। वहीं अन्य लूटेरे फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार ललित निषाद ने थाना मंदिर हसौद में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह चालक का कार्य करता है। दो दिनों पूर्व वह अपने वाहन डम्पर क्रमांक सीजी 05 एजे 7709 में अपने हेल्पर के साथ गिट्टी भरने के लिए एयरपार्ट होते हुए नकटी रोड स्थित गोयल गिट्टी खदान जा रहा था, कि रात्रि 2.30 बजे रावणभांठा जुन्नाडीह बस्ती मंदिर हसौद के पास पहुंचा था, इसी दौरान 4 अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी के वाहन के सामने आकर उसके वाहन को रोकते हुए प्रार्थी के वाहन में चढ़कर प्रार्थी तथा उसके साथी हेल्पर पर अपने पास रखें चाकू को टिका कर उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए उनके पास रखे नगदी एवं मोबाईल फोन को लूट कर फरार हो गये। जिस पर अज्ञात आरोपियो के विरूद्ध धारा 392, 34 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी मंदिर हसौद के नेतृत्व में थाना मंदिर हसौद पुलिस द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी तथा उसके साथी हेल्पर से विस्तृत पूछताछ करते हुए अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी हेतु मुखबीर भी लगाये गये। इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

कोलकाता के हरिदेवपुर में कूड़े के ढेर में बम जैसी वस्तुएं मिलने के बाद बम स्क्वाड के कर्मी जांच कर रहे हैं।

हैदराबाद वाली बैठक सीजी की चर्चा

एक लाख 75 हजार करोड़ जनता की जेब में गए इसी मॉडल पर रणनीति बना रही कांग्रेस..

रायपुर/ संवाददाता

रविवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हैदराबाद से लौटे। बिलासपुर में हुए कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम को वह रायपुर पहुंचे। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि हैदराबाद में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में क्या कुछ हुआ। वहां छत्तीसगढ़ सरकार के कामकाज की चर्चा रही। कांग्रेस ने तय किया है कि आने वाले समय में देश के चुनाव में छत्तीसगढ़ मॉडल को ध्यान में रखकर रणनीति तैयार की जाएगी। इसे लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ में आम जनता के लिए

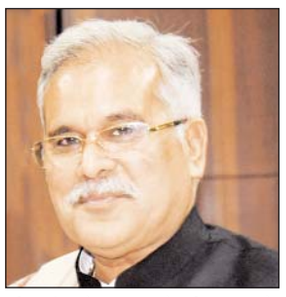

जो गरीब है, मजदूर है, गोपालक है, किसान है उनके आर्थिक स्थिति में जो हमने सुधार किया है जो परिवर्तन यहां के जीवन में आया है किसान मजदूर आदिवासी वनांचल में रहने वाले तेंदूपत्ता तोड़ने वाले हैं उनके जीवन में जो परिवर्तन आया है। उसके साथ-साथ शिक्षा ,स्वास्थ्य ,बेरोजगारों और युवाओं के लिए जो काम किया है । इसका बड़ा व्यापक प्रभाव देशभर में पड़ा है क्योंकि आज लोग महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त हैं । ऐसे समय में सरकार के द्वारा आम जनता की जेब में सीधे पैसे डालना और थोड़ा बहुत नहीं छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य में 1 लाख 75 हज़ार करोड रुपए सीधा आम जनता के जेब में गया है और इसकी चर्चा है ही । इस मॉडल की भी चर्चा है और यही कांग्रेस का सिद्धांत है कि आम जनता को भी ताकतवर बनाना। मुख्यमंत्री ने कहा - दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक हैदराबाद में हुई। देश तो 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था लेकिन हैदराबाद 17 सितंबर 1948 के बाद आजाद हुआ ।

राज्य सरकार की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को बड़ी सौगात

रायपुर। महिलाओं तथा बच्चों के पोषण एवं टीकाकरण हेतु प्रदेश भर में संचालित 46 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को मानदेय वृद्धि के बाद एक और बड़ी सौगात मिली है। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष कर दिया गया है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर आंगनबाड़ी सहायिकाओं से पदपूर्ति को 25 प्रतिशत को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही भर्ती के लिए आवश्यक 10 वर्ष के अनुभव को कम करके 05 वर्ष कर दिया गया है। इस संबंध में मंत्रालय से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 14 सितंबर को आदेश जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस वर्ष प्रस्तुत 2023-24 के बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की मांगों को पूरा करते हुए उनके मानदेय में बढ़ोत्तरी की घोषणा की थी। जारी आदेश के अनुपालन में 01 अप्रैल 2023 से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को बढ़ा हुआ मानदेय दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की घोटालेबाज सरकार को उखाड़ फेंके...

- परिवर्तन की लहर के बीच गोवा के मुख्यमंत्री ने लहराई सनातन धर्मध्वजा

रायपुर/ संवाददाता

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर सीधे आक्रमण करते हुए कहा कि यहां घोटालेबाज सरकार चल रही है। भूपेश बघेल के भ्रष्ट करीबी जेल पहुंच गए हैं और अब इनकी बारी है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। दुष्कर्म की वारदातें बढ़ गई हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के अर्जुनी में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने परिवर्तन की लहर के बीच सनातन धर्म की ध्वजा लहराते हुए सनातन धर्म और प्रभु श्री राम के जयकारे लगवाए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ अंचल के विकास के लिए, यहां की महिलाओं, किसानों, गरीबों, मजदूरों, युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया। भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ को अटल जी के सपनों का छत्तीसगढ़ बनाने में कोई कमी नहीं रखी। राज्य के दूसरे और तीसरे चुनाव में भी जनता के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को भाजपा की सरकार ने आगे बढ़ाया। लेकिन पिछले 5 साल से गलती से छत्तीसगढ़ में जो सरकार बैठी है।

छत्तीसगढ़ राज्य कोसा उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा

रेशम से तील लाख से अधिक लोगों को मिला रोजगार....

- इसके साथ-साथ पालित प्रजाति के कृमिपालकों के माध्यम से विभागीय तथा वन खण्डों में टसर कृमिपालन का कार्य ग्रामीण हितग्राहियों तथा समूह के सदस्यों द्वारा टसर कोसा का उत्पादन किया जा रहा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य कोसा उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य शासन द्वारा वन आधारित ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने हेतु कोसा रेशम योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में रेशम प्रभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं से विगत पौने पांच सालों में 3 लाख 14 हजार 953 लोगों को रोजगार मिला है। ग्रामोद्योग संचालनालय रेशम प्रभाग द्वारा संचालित योजनाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में स्थानीय ग्रामीण एवं विशेष तौर पर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ कच्चे रेशम की मांग की आपूर्ति एवं सिल्क उत्पादन बढ़ाने के लिए अधोसंरचना निर्माण करना, उत्पादकता में वृद्धि करना तथा नई तकनीक को मैदानी स्तर पर लागू किया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित योजनांतर्गत 423 टसर केन्द्र एवं स्थलों तथा प्राकृतिक वन खण्डों में 10 हजार 486 हेक्टेयर टसर खाद्य पौधों का उपयोग कर तथा साल, साजा, सेन्हा, धौवड़ा, बेर आदि द्वितीयक खाद्य पौधों पर नैसर्गिक बीज प्रगुणन कार्यक्रम के अंतर्गत प्राकृतिक वन खण्डों में

505 केम्प का आयोजन किया गया। इसके साथ-साथ पालित प्रजाति के कृमिपालकों के माध्यम से विभागीय तथा वन खण्डों में टसर कृमिपालन का कार्य ग्रामीण हितग्राहियों तथा समूह के सदस्यों द्वारा टसर कोसा का उत्पादन किया जा रहा है। प्रदेश में नई सरकार गठन उपरांत लगभग चार वर्ष में 86.58 करोड़ नग टसर ककून उत्पादन एवं संग्रहण किया गया और उत्पादित ककून से प्रदेश में 1528.03 मिट्रिक टन टसर रॉ सिल्क का अनुमानित उत्पादन हुआ है। इसी तरह मलबरी रेशम विकास एव विस्तार योजनॉतर्गत प्रदेश में 68 मलबरी केन्द्रों के अंतर्गत 611 एकड़ शहतूती पौधरोपण क्षेत्र उपलब्ध है। अब तक 3 लाख 5 हजार 402 किग्रा मलबरी ककून का उत्पादन किया गया है। जिससे प्रदेश में 38.17 मीट्रिक टन मलबरी रॉ सिल्क का उत्पादन हुआ है। योजनांतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में 3784 मोटराईज्ड रीलिंग कम ट्विस्टिंग एवं स्पीनिंग तथा बुनियाद मशीन के माध्यम से 2391 हितग्राहियों के द्वारा टसर रॉ एवं स्पन थागे का उत्पादन किया जा रहा है। उक्त योजनांतर्गत रेशम प्रभाग से जुड़े विभागीय कर्मचारियों एवं हितग्राहियों को टसर एवं मलबरी के अंतर्गत गुणवत्ता एवं मात्रात्मक कोसा उत्पादन वृद्धि, नवीन विधाओं एवं केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण से संबंधित फील्ड ट्रायल तथा उच्च गुणवत्तायुक्त टसर मलबरी, स्वस्थ समूह का उत्पादन एवं टसर, मलबरी के नवीन प्रजाति के पौधरोपण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाता है ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com